पटना • शनिवार, 22 जून 2024 | मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 | वर्षः 5, अंकः161 | www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

# बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

मच्छर जनित रोगों से बचने के लिए ... 3 | www. bordernewsmirror.com | क्रू ने बनाया रिकॉर्ड... 8

## महाराष्ट्र में पंकजा मुंडे पर बड़ा दांव खेल सकती है बीजेपी

- हार के बाद चार समर्थक दे चुके हैं जान

मुंबई (एजेंसी)। लोकसभा चुनावों में पंकजा मुंडे की हार के बाद अब तक पांच समर्थक जान दे चुके हैं। बीजेपी के दिग्गज नेता रहे गोपीनाथ मुंडे परिवार की बीड से हार पर समर्थक दुखी हैं। पीड़त परिवारों से मिलने के बाद खुद पंकजा मुंडे भावुक हो गई थीं और रो पड़ी थी। सूत्रों की मानें तो विधानसभा चुनावों

से पहले बीजेपी पंकजा मुंडे पर बड़ा दांव खेल सकती है। समर्थकों की तरफ से पंकजा मुंडे को राज्यसभा भेजने की मांग की जा रही है। सूत्रों के अनुसार बीजेपी के कई नेताओं ने भी उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से यह मांग की है, ताकि आहत समर्थकों को तसल्ली मिले। बीड क्षेत्र में भी पंकजा मुंडे को बड़ी जिम्मेदारी देने और राज्यसभा भेजने की मांग उठ रही है। पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ीं पंकजा मुंडे बीड लोकसभा क्षेत्र से हार गई थी।

## राजस्थान में 'खटाखट' बंद हो रहीं गहलोत की योजनाएं

- कांग्रेस की एक और योजना पर चला भजन सरकार का डंडा

**जयपुर (एजेंसी)।** भजनलाल सरकार ने पूर्ववर्ती अशोक गहलोत की एक और योजना पर ताला लगा दिया है। पूर्ववर्ती सरकार ने प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों, तहसील और पंचायत समिति स्तर तक कुल 2500 महात्मा गांधी पुस्तकालय और संविधान केंद्र

खोलने की घोषणा की थी। इसके लिए 25 करोड़ रुपए का बजट देने की घोषणा की गई और 10 करोड़ रुपए विभाग को आवंटित भी कर दिए थे। अब नई सरकार ने महात्मा गांधी पुस्तकालय और संविधान केंद्र नहीं खोलने का फैसला किया है। इसके लिए शांति और अहिंसा विभाग को जारी किया गया 10 करोड़ का बजट भी वापस ले लिया।

## अधीर का बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा

- बहरामपुर लोकसभा सीट से हार के बाद छोड़ दिया पद

**कोलकाता (एजेंसी)।** बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनका प्रदेश अध्यक्ष के पद से इस्तीफा हो गया है। लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस को बंगाल में एक भी सीट पर जीत नहीं मिली थी। खुद अधीर रंजन चौधरी को बहरामपुर लोकसभा सीट से हार का सामना करना पड़ा था। उन्हें टीएमसी कैंडीडेट

यूसुफ पठान के हाथों हार झेलनी पड़ी थी, जो पूर्व में क्रिकेटर रहे हैं। कांग्रेस की बंगाल यूनिट ने शुक्रवार को एक मीटिंग भी बुलाई। इस मीटिंग में चुनाव नतीजों को लेकर बात हुई। एक सवाल यह भी उठा कि वामपंथी दलों के साथ गठजोड़ करने का फैसला ऊपर से थोपा गया। इसके लिए जमीनी स्तर के नेताओं और राज्य के बड़े नेताओं को भी भरोसे में नहीं लिया गया। चुनाव नतीजों की समीक्षा वाली मीटिंग में जिलाध्यक्षों ने गठबंधन को लेकर चिंता जताई और कहा कि इसके लिए राय नहीं ली गई।

## अरविंद केजरीवाल को लगा झटका, अभी नहीं होंगे रिहा

- हाईकोर्ट की रोक, सोमवार-मंगलवार तक आ सकता है फैसला

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली शराब नीति केस में अरविंद केजरीवाल अभी जेल से बाहर नहीं आएंगे। दिल्ली हाईकोर्ट की वैकेशनल बेंच ने शुक्रवार को ईडी की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि हम दलीलों पर विचार कर रहे हैं। सोमवार-मंगलवार (24 या 25 जून) को हम फैसला सुनाएंगे। तब तक राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले पर रोक रहेगी। दरअसल, 20 जून को शाम 8 बजे राउज एवेन्यू कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को जमानत दे दी थी। जस्टिस न्याय बिंदु की बेंच ने कहा था कि ईडी के पास अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कोई सीधे सबूत नहीं हैं। कोर्ट ने केजरीवाल को 1 लाख के बेल बॉन्ड पर जमानत दे दी थी। लोअर कोर्ट के फैसले के विरोध में ईडी ने 21 जून को दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका लगाई। जस्टिस सुधीर जैन और जस्टिस रविंदर डुडेजा ने सुनवाई की।

# छोटे दलों से गठबंधन, निर्दलीय उम्मीदवारों को करेगी समर्थन

### जम्मू-कश्मीर के लिए भाजपा का मास्टर प्लान हो गया तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 की समाप्ति के बाद होने जा रहे पहले विधानसभा चुनाव में भाजपा रणनीतिक ढंग से मैदान में उतरेगी। पार्टी सभी सीटों पर चुनाव लड़ने के बजाय अपना ध्यान जम्मू क्षेत्र पर केंद्रित करेगी। पार्टी घाटी में खुद कम सीटों पर लड़ेगी और अधिकांश सीटों पर छोटे दलों से तालमेल और निर्दलीयों को समर्थन दे सकती है।

सर्वोच्च अदालत के निर्देश के बाद जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। राज्य में इस बार का चुनाव इसलिए भी अहम है कि यह न केवल राज्य में अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद पहला विधानसभा चुनाव है,

बल्कि हाल के लोकसभा चुनाव में मतदाताओं की भागीदारी को देखते हुए राज्य में चुनाव को लेकर बेहद उत्साह है। लोक सभा चुनाव के नतीजे भी चौंकाने वाले रहे हैं। राज्य के दो श्रेत्रीय दलों के बड़े नेता पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती और नेशनल कांफ्रेंस के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा, बारामूला से निर्दलीय अब्दुल रशीद शेख उर्फ इंजीनियर की जीत भी चौंकाने वाली रही।

यह राजनीतिक दलों के लिए चिंता का विषय है। इंजीनियर ने जेल में रहकर चुनाव लड़ा और उमर अब्दुल्ला को हराया है। भाजपा ने यहां 2014 के पिछले विधानसभा चुनाव में पीडीपी के साथ मिलकर सरकार बनाई थी। तब 87 सदस्यीय क्षेत्र में भाजपा को जम्मू क्षेत्र में 25 सीटों पर बड़ी जीत मिली थी।

# अभी नहीं मिलेगी 'राहत', जनता होगी महंगाई से और 'आहत'

### देश में खाने-पीने की चीजों के फिर से बढ़ सकते हैं दाम

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत में नवंबर 2023 से खाने-पीने की चीजों के दामों की महंगाई आठ प्रतिशत के आस-पास ही है। जानकारों का मानना है कि अभी भी इसके नीचे आने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं लेकिन ऐसा क्यों है। भारत में महंगाई मापते हुए जिन चीजों के दाम देखे जाते हैं, उनमें लगभग आधी हिस्सेदारी खाने-पीने की चीजों की होती है। खाद्य पदार्थों में महंगाई की वजह से कुल महंगाई रिजर्व बैंक के चार प्रतिशत के लक्ष्य के ऊपर ही रह रही है। इस वजह से आरबीआई ब्याज दरों को नीचे नहीं ला रहा है लेकिन आखिर खाद्य मुद्रास्फीति नीचे क्यों नहीं

आ रही है। पिछले साल के सूखे और इस समय चल रही हीट वेव की वजह से दालों, सब्जियों और अनाज जैसी चीजों की सप्लाई कम हो गई है। सरकार ने निर्यात पर प्रतिबंध लगाए हैं और आयात पर कर कम किया है, लेकिन इन कदमों का भी कुछ खास असर नहीं हुआ है। खाद्य मुद्रास्फीति की वजह यूं तो सब्जियों की आपूर्ति गर्मियों में वैसे भी कम हो जाती है, लेकिन इस साल सामान्य से काफी ज्यादा कमी आई है। देश के लगभग आधे हिस्से में तापमान सामान्य के मुकाबले चार से नौ डिग्री सेल्सियस ऊपर है, जिसकी वजह से खेतों में से काटी जा चुकी सब्जियां जल्द खराब हो रही हैं। गर्मी की वजह से प्याज, टमाटर, बैंगन और पालक जैसी सब्जियों को उगाने में भी दिक्कत आ रही है। किसान आमतौर पर बारिश के पहले सब्जियों के बीज तैयार करते हैं।

## अब 'मंदिर पथ' पर ममता बीजेपी की बढ़ गई टेंशन

- अगले महीने करेंगी जगन्नाथ मंदिर का उद्घाटन, बीजेपी को सता रहा डर

**कोलकाता (एजेंसी)।** पिछले कई सालों से मुस्लिम तुष्टीकरण का आरोप झेल रहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अगले महीने हिन्दुत्व रथ पर फिर से सवार होने जा रही हैं। वह जुलाई के पहले हफ्ते में पूर्वी मेदिनीपुर जिले के तटीय शहर दीघा में भव्य जगन्नाथ मंदिर का उद्घाटन करने वाली हैं। राज्य सरकार के सूत्रों के मुताबिक, 7 जुलाई से शुरू होने वाले रथ यात्रा उत्सव के पहले दिन मुख्यमंत्री बनर्जी इस नवनिर्मित मंदिर का उद्घाटन कर सकती हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मंदिर बनकर तैयार है लेकिन उद्घाटन के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तरफ से हरी झंडी मिलने का इंतजार है। ममता ने उसी बंगाली हिन्दुओं की भावनाओं को भुनाने की कोशिश की है, ताकि 2026 के आगामी विधानसभा चुनावों में फायदा मिल सके और भाजपा की टेंशन बढ़ जाए।

# पीएम मोदी ने घाटी में डल झील के किनारे किया योग

### लोगों के साथ ली सेल्फी ली, सेना के जवानों ने आईएनएस विक्रमादित्य, चीन बॉर्डर पर किए योगासन

**श्रीनगर (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीनगर में योग किया। पहले यह कार्यक्रम डल झील के किनारे 6.30 बजे होना था, लेकिन बारिश की वजह से इसे हॉल में शिफ्ट कर दिया गया। यह सुबह करीब 8 बजे शुरू हो पाया। हॉल में करीब 50 लोग और हॉल के बाहर करीब 7 हजार लोगों ने पीएम मोदी के साथ-साथ योग के मुश्किल आसन किए। इसके अलावा आईएनएस विक्रमादित्य पर नौसेनिकों ने सुबह करीब 7 बजे योग किया। लद्दाख में चीन से सटी वास्तविक नियंत्रण रेखा के करीब पैंगॉन्ग झील के किनारे सेना के जवानों ने अलग-अलग आसन कर 10वां योग दिवस मनाया। 2014 में संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून के दिन को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया था।

## कनाडा में खालिस्तानियों ने लगाई 'अपनी अदालत'

- देखती रही ट्रूडो सरकार, गुस्साए भारत ने दर्ज कराया कड़ा विरोध

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत ने गुरुवार को वैंकूवर में भारतीय वाणिज्य दूतावास के सामने खालिस्तान समर्थक चरमपंथियों द्वारा नागरिक अदालत आयोजित करने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला जलाने पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। संयुक्त सचिव (अमेरिका) नागराज नायडू ने दिल्ली में कनाडाई उप उच्चायुक्त को तलब किया और कड़ा विरोध दर्ज कराया। इसके साथ ही भारत ने जस्टिन ट्रूडो सरकार द्वारा खालिस्तानियों को खुली छूट दिए जाने पर भी कड़ी आपत्ति जताई। भारत द्वारा यह कूटनीतिक कदम कनाडा की संसद द्वारा खालिस्तान टाइगर फोर्स के आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की स्मृति में एक मिनट का मौन रखने के एक दिन बाद उठाया गया है। निज्जर को पिछले साल 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में गोली मार दी गई थी। वह खालिस्तान कमांडो फोर्स (केसीएफ) के आतंकवादी गुरदीप सिंह उर्फ दीपा हेरनवाला का पुराना साथी था, जो 1980 और 1990 के दशक की शुरुआत में पंजाब में 200 से अधिक हत्याओं में शामिल था। कनाडाई खुफिया एजेंसियों ने लगातार निज्जर के बारे में यह कहानी गढ़ने की कोशिश की है कि वह कनाडा के सरे में गुरु नानक गुरुद्वारा का एक निर्दोष और धार्मिक विचारों वाला प्रमुख था।

# गलवान के बाद चीन को फिर झटका दे रहा भारत

### अब वीजा लेने में भी छूट रहा चीनियों का पसीना

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** गलवान घाटी में 2020 में चीन की नापाक हरकत के बाद भारत ने भी उसे तगड़ा झटका दिया है। भारत सरकार ने चीन के नागरिकों को वीजा देना बेहद कम कर दिया है। शीर्ष अधिकारियों और आंकड़ों से मिली जानकारी के मुताबिक मोदी सरकार आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान दे रही है। बता दें कि गलवान में भारतीय और चीनी नागरिकों के बीच हुई झड़प में कर्नल संतोष बाबू समेत 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे।

वहीं चीनी सेना के भी कई जवान मारे गए थे। सीनियर अधिकारियों से पता चला कि 2019 में लगभग दो लाख चीनी नागरिकों को भारत का वीजा दिया गया था। हालांकि 15 जून 2020 को गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद वीजा देना कम कर दिया गया। 2024 में यह आंकड़ा घटकर केवल दो हजार रह गया। भारत में चीनी निवेश को कम करने के लिए ऐसा किया गया है। बीते 8 महीने में भारत सरकार ने केवल 1500 चीनी नागरिकों को वीजा दिया है।

# यूजीसी-नेट और नीट विवाद पर संघ में बेचैनी

### एबीवीपी बोली-मोदी सरकार को इस पर जवाब देना चाहिए

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द होने और बिहार और गुजरात में नीट-यूजी पेपर के कथित लीक की पुलिस जांच से भाजपा और आरएसएस से जुड़े संगठनों में बेचैनी पैदा हो गई है। इसमें भाजपा की छात्र शाखा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) भी शामिल है। एबीवीपी ने गुरुवार को कहा कि जब प्रजा की तरफ से सवाल उठाया गया है, तो सरकार की तरफ से जवाब आना चाहिए। बता दें कि केंद्र सरकार देश की टॉप परीक्षाएं कराने वाली राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के कामकाज की जांच और सुधारों की सिफारिश करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित करेगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बृहस्पतिवार को इसकी घोषणा की। यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द किए जाने और नीट परीक्षा को लेकर जारी विवाद के बीच प्रधान ने समिति गठित करने की

घोषणा की। नेट और नीट इन परीक्षाओं को आयोजित करने वाली राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाते हुए, एबीवीपी के राष्ट्रीय महासचिव याज्ञवल्क्य शुक्ला ने एनईईटी की गड़बड़ी का जिक्र किया। बात करते हुए उन्होंने कहा, एनटीए में कुप्रबंधन की धारणा है। ऐसा कैसे हो रहा है कि कुछ केंद्रों पर प्रश्नपत्र 15-20 मिनट देरी से पहुंच रहे हैं। ऐसा कैसे हो रहा है कि एक ही केंद्र के 7-8 छात्रों को 100 फीसदी अंक मिल गए। 67 छात्रों को 720 अंक कैसे मिल गए। एनटीए की विश्वसनीयता पर सवालिया निशान है और जब प्रजा की तरफ से सवाल है, तो सरकार की तरफ से जवाब होना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, एबीवीपी नेता ने कहा, क्या ऐसा हो सकता है कि जब राष्ट्रीय नेतृत्व का ध्यान कहीं और (लोकसभा चुनाव में) था, तब कुछ गड़बड़ हुआ हो। एनटीए की भूमिका संदेह के घेरे में है।

## काशी में गंगा की लहरों से 2 फीट ऊपर किया योग

- 150 बटुकों का सूर्य नमस्कार, मथुरा में हेमामालिनी का प्राणायाम

**लखनऊ (एजेंसी)।** यूपी में 10वें योग दिवस पर सीएम योगी ने राजभवन में योग किया। उन्होंने कहा- योग सभी के लिए है, इसमें कोई भेदभाव नहीं है। मानवता के अनुकूल है। एक संपूर्ण विधा है। इस दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी मौजूद रहीं। गाजजियाबाद में मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर और बागपत के पूर्व सांसद सत्यपाल सिंह (69) ने मोदीनगर के पतंजलि वेलनेस सेंटर में वृक्षासन किया। काशी में विश्वनाथ धाम और गंगा घाट पर योग किया गया। यहां गंगा के पंचगंगा घाट पर धीरज गोस्वामी ने जल योग की क्रियाएं की।

## संक्षिप्त समाचार

### शेरघाटी से गायब हंटरगंज के युवक का 18 दिनों बाद भी सुराग नहीं

**गया, एजेंसी।** शेरघाटी बाजार से गायब हुए हंटरगंज के युवक का 18 दिन गुजर जाने के बावजूद कोई पता नहीं चल सका है। शेरघाटी थाने की पुलिस ने लापता हुए युवक की पत्नी की शिकायत पर गत 14 जून को अपहरण का मुकदमा दर्ज किया है। हंटरगंज थानाक्षेत्र के मायापुर गांव का 30 वर्षीय युवक देवकी दास गत 2 जून को तब लापता हुआ था, जब वह एक प्राइवेट बैंक की शेरघाटी शाखा में 25 हजार रुपये जमा करने के लिए शेरघाटी बाजार आया था। लापता युवक की पत्नी रीना देवी ने पुलिस को दिए आवेदन में कहा है कि 700 रुपये कम रहने के कारण बैंक के मैनेजर ने उससे पैसा नहीं लिया था और वह पचीस हजार रुपयों के साथ बैंक से बाहर आ गया था, लेकिन उसके बाद उसका कोई पता नहीं चल रहा है। युवक के पास मौजूद फोन भी स्वीच ऑफ आ रहा है। शिकायत करने वाली महिला का कहना था कि समूह का पैसा बैंक में जमा करने के लिए वह घर से निकला था। इस मामले का अनुसंधान अधिकारी सहायक उपनिरीक्षक संतोष राम को बनाया गया है। इधर, शेरघाटी के थानेदार अजीत कुमार ने बताया कि युवक की बरामदगी का प्रयास किया जा रहा है। बैंक के आस-पास के सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला जा रहा है।

### छपरा में महिला ने पंखे से लटक कर की खुदकुशी

**छपरा, एजेंसी।** शहर के भगवान बाजार थाना क्षेत्र के नई बाजार बेतिया छावनी में किराए के मकान में रह रही महिला दिव्या ने पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली। यह घटना बुधवार की देर रात की बताई जाती है। महिला ने सुसाइड नोट भी छोड़ा है। दाउदपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले रोहित के साथ तीन साल पहले दिव्या ने प्रेम विवाह किया था। दोनों बेतिया छावनी में किराए के मकान में रह रहे थे। घटना के समय पति एक निजी क्लीनिक में अपनी ड्यूटी कर रहा था तभी दिव्या घर के दरवाजे बंद कर लिये व पंखे में दुपट्टा लगाकर लटक गयी। तत्काल इसकी सूचना किसी ने उसके पति को दी। पति मौके पर पहुंचा तो देखा कि दरवाजा बंद है। फिर उसने भगवान बाजार थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर सुभाष कुमार सिंह को इसकी सूचना दी । सब इंस्पेक्टर सुधीर कुमार व महिला पुलिस पदाधिकारी पहुंचे व दरवाजा को किसी तरह से तोड़ा गया। देखा गया कि महिला पंखे से लटकी हुई है। शव को नीचे उतारा गया। ? भगवान बाजार पुलिस ने मोबाइल, दुपट्टा व सुसाइड नोट को जब्त कर लिया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में गुरुवार को कराया। पुलिस ने यूडी केस दर्ज किया है। । उधर घटना की सूचना मिलने के बाद आसपास के लोग भी रात में इकट्ठा हो गए थे। मरने से पहले दिव्या ने डायरी में एक सुसाइड नोट लिखकर बिस्तर पर छोड़ दिया था। सुसाइड नोट में उसने लिखा है कि मैं जो कर रही हूं, अपने होशो हवास में कर रही हूं। किसी के दबाव में नहीं कर रही हूं। मेरे मरने के बाद मेरे पति रोहित कुमार दास को तंग न करें। इसमें उनका कोई दोष नहीं है। अपनी हालातों से लड़ते-लड़ते थक गई हूं। इसलिए अब यह दुखों से भरी दुनिया छोड़कर जा रही हूं- दिव्या कुमारी।

### गड़खा में किराये के मकान में संदेहास्पद स्थिति में मिला युवक का शव

**छपरा/गड़खा, एजेंसी।** गड़खा थाना क्षेत्र के चिरांद रोड स्थित पशु अस्पताल के पास गुरुवार की सुबह किराये के मकान में एक युवक का शव मिला। हालांकि उसकी मौत की वजह साफ नहीं हुई है। मामला हत्या का है या आत्महत्या या फिर स्वाभाविक मौत, इसका इसका खुलासा नहीं हो सका है। फिलहाल शव की पहचान नहीं हो सकी है। वैसे स्थानीय लोग उसका नाम बादल बता रहे थे। मृतक की पत्नी किराये के घर से गायब है। ऐसे में मामला संदेहास्पद हो गया है। जानकारी के मुताबिक उक्त युवक की पत्नी यहां किराये के मकान में रहती है। युवक पटना में कहीं काम करता है और वहीं से यहां आता-जाता है। बक़रीद के मौके पर वह गड़खा आया था। उक्त मकान में कई और किरायेदार रहते हैं। गुरुवार की सुबह जब लोगों की नींद खुली तो देखा कि उक्त युवक गली में पेट के बल पड़ा हुआ है। इसके बाद वहां लोगों की भारी भीड़ जुट गई। मुखिया प्रतिनिधि राकेश चौधरी, पूर्व मुखिया प्रतिनिधि व जन सुराजी अशोक प्रसाद गुप्ता, उप मुखिया बाबूजान व अन्य मौक़े पर पहुंचे। बाद में लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। थानाध्यक्ष शशि रंजन कुमार, सब इंस्पेक्टर अमान अशरफ़ पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने अपनी तहक़ीक़ात शुरू की। मृतक की पत्नी वहां नहीं थी।

# दुकानों में भटकते रहे मरीज, 537 करोड़ की सरकारी दवाएं एक्सपायर हो गईं

**पटना, एजेंसी।** बिहार के सरकारी अस्पतालों में फरवरी से अप्रैल के बीच 537 करोड़ की दवाएं और सर्जरी के सामान खराब हो गए। स्वास्थ्य विभाग के डीवीडीएमएस (ड्रग्स एंड वैक्सीन डिस्ट्रीब्यूशन मैनेजमेंट सिस्टम) पोर्टल पर दर्ज आंकड़ों की समीक्षा के बाद विभाग ने रिपोर्ट तैयार की है।

मामला उजागर होने के बाद विभाग में खलबली मच गयी है। सरकार दावा करती है कि सरकारी अस्पतालों में मरीजों को मुफ्त इलाज से लेकर दवाओं की सुविधाएं दी जाती हैं। इसके बावजूद मरीजों को बाजार से दवा खरीदना पड़ता है और अस्पतालों के गोदाम में दवाएं एक्सपायर हो रही हैं। जानकारी के मुताबिक स्टोर में ही पड़े-पड़े फरवरी में 175 करोड़, मार्च में 180 करोड़ और अप्रैल में 182 करोड़ की दवाएं एक्सपायर हो गईं और सर्जरी के सामान बेकार हो गए। विभाग के अपर निदेशक (तिरहुत) डॉ. ज्ञान शंकर ने कहा कि कोई भी दवा एक्सपायर नहीं हो, इसके लिए सभी सीएस को निर्देशित किया जा रहा है। विभाग ने मुजफ्फरपुर सहित सभी सीएस को दवाओं की इंट्री डीवीडीएमएस पोर्टल पर कराने का निर्देश दिया है। साथ ही दवा एक्सपायर होने के बारे में राज्य मुख्यालय व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से जारी निर्देशों का सख्ती से पालन कराने को कहा है। कई बार सही इंट्री नहीं करने से एक्सपायरी का गलत डाटा भी पोर्टल पर दिखने लगता है। इस पर भी अंकुश लगाने को कहा है।

### मुजफ्फरपुर जिले में 1500 तरह की दवाएं एक्सपायर

डीवीडीएमएस पोर्टल पर मुजफ्फरपुर में मुजफ्फरपुर में 88 करोड़ 53 लाख सात हजार की 1500 तरह की दवाएं एक्सपायर होना दर्ज है। सबसे ज्यादा दवाएं सीएचसी और पीएचस में एक्सपायर हुई हैं। रिपोर्ट के अनुसार पूरे राज्य में पीएचसी में 28 प्रतिशत और सीएचसी में 21 प्रतिशत दवाएं एक्सपायर हुई हैं। वहीं, मेडिकल कॉलेजों में 11 फीसदी, सदर अस्पतालों में तीन फीसदी व अनुमंडल अस्पतालों में चार फीसदी दवाएं एक्सपायर हुई हैं। मुजफ्फरपुर सदर में 100 तरह की दवाएं एक्सपायर हुई हैं।

### सरकारी अस्पतालों को नहीं मिल रहीं सभी दवाएं

स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट बताती है कि रिजनल वेयर हाउस से जिलों को मांग के अनुसार दवाओं की आपूर्ति नहीं हो रही है। इससे सरकारी अस्पतालों को सभी तरह की दवाएं उपलब्ध नहीं पा हो रही हैं। एक अप्रैल से आठ जून तक मुजफ्फरपुर जिले को रिजनल वेयर हाउस से 196 की जगह 151 तरह की दवाएं ही मिलीं। जिले में काफी दिनों के बाद शुगर मरीजों के लिए मेटफॉर्मिन दवा 19 जून को आई है। दवा नहीं मिलने से मरीजों को पूरी दवा नहीं मिल रही है।

## तेजस्वी यादव को नित्यानंद राय ने बताया भ्रष्टाचारी

**पटना, एजेंसी।** केंद्र की मोदी सरकार में दूसरी बार केंद्रीय गृह राज्यमंत्री बनने के बाद पहली बार पटना पहुंचे नित्यानंद राय ने विपक्ष पर हमला बोला। कहा कि 2025 के विधानसभा चुनाव में परिवारवादी और भ्रष्टाचारी नेता तेजस्वी यादव को समाप्त कर देंगे। उन्हें राजनीति में धूल चटा देंगे। 2025 के चुनाव में महागठबंधन को जीरो पर आउट करेंगे। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव और उनके पिता लालू यादव के लिए परिवार से उपर कोई नहीं है। तो दूसरी ओर पीएम नरेंद्र मोदी दिन रात देश की चिंता करते रहते हैं। 2025 में इन लोगों को उखाड़ कर फेंक देंगे। इससे पहले एयरपोर्ट पर हजारों कार्यकर्ताओं ने उनका ढोल-नगाड़े के साथ नित्यानंद राय का भव्य स्वागत किया। उत्साही कार्यकर्ताओं ने नित्यानंद राय को सीएम पद का दावेदार बता दिया। समर्थक बिहार का मुख्यमंत्री कैसा हो, नित्यानंद राय जैसा हो के नारे भी लगाने लगे। भीड़ देख नित्यानंद राय भी उत्साह में आ गए और गाड़ी के बोनट पर खड़े हो गए। लोगों से फूल-माला और बुके को स्वीकार किया और आभार जताया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चार दशक से पार्टी से जुड़ा हूं। न कभी दल बदला और न दिल। जातिवादी और परिवारवादी राजनीति से दूर रहा। शायद इसलिए पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं का स्नेह मिलता है। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में दुनिया के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और उनके आशीर्वाद से बिहार में विकास की धारा बढ़ रही है। अभी केंद्र में डबल इंजन की सरकार है। 2025 में फिर से एनडीए की जीत होगी और बिहार के विकास की गति और तेज हो जाएगी। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री ने तेजस्वी के अपराध के बयान पर कहा कि सुशासन की सरकार है। पहले राजद के समय में अपराधियो को संरक्षण मिलता था। एयरपोर्ट से कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय गृह राज्यमंत्री को प्रदेश भाजपा कार्यालय तक लाया।

## नाबालिग से रेप का 16 साल से फरार आरोपी गिरफ्तार, नालंदा में छापेमारी में पुलिस ने हथियार कारतूस किए जब्त

### कोर्ट से लाल वारंट निकाला था

**नालंदा, एजेंसी।** नालंदा की मानपुर थाना की पुलिस ने 16 साल से फरार चल रहे रेप के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया अभियुक्त मानपुर थाना क्षेत्र के तेतरावां गांव निवासी कारू पासवान का बेटा प्रदीप पासवान है। मानपुर थाना अध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि प्रदीप पासवान पिछले 16 सालों से फरार चल रहा था। कोर्ट ने लाल वारंट लगा रखा था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि प्रदीप पासवान अपने घर में ही मौजूद है। इसके बाद कार्रवाई करते हुए प्रदीप पासवान के घर की घेराबंदी की गई। उसे घर से गिरफ्तार कर लिया गया।

छापेमारी के दौरान अभियुक्त के घर से एक हथियार और एक कारतूस भी बरामद हुआ है। प्रदीप पासवान साल 2008 से फरार चल रहा था। पुलिस जब भी रेड करने उसके घर जाती वह भनक पाकर फरार हो जा रहा था। वह साल 2008 में नाबालिग लड़की को भगा कर ले जाने और रेप करने के मामले में आरोपित है। मानपुर थाना अध्यक्ष ने बताया कि प्रदीप पासवान के पास से एक देसी कट्टा, एक जिंदा कारतूस और एक मोबाइल बरामद किया गया है। इसके अलावा उसके आपराधिक इतिहास को भी खंगाला जा रहा है। छापेमारी टीम में मानपुर थाना अध्यक्ष समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

## कॉपी जांच, रिजल्ट, सर्टिफिकेट सब ऑनलाइन बिहार के विश्वविद्यालयों में बदल रहा सिस्टम

**पटना, एजेंसी।** बिहार के सभी विश्वविद्यालयों और डिग्री कॉलेजों की पूरी गतिविधियों को चरणवार ऑनलाइन करने की तैयारी की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार शिक्षा विभाग इस कवायद में जुट गया है। इसके लिए केंद्र सरकार द्वारा निर्मित 'सामर्थ्य पोर्टल' पर तमाम जानकारियां विश्वविद्यालयों को उपलब्ध करानी होगी। छात्र छात्राओं की सुविधा के लिए ये डिजिटल बदलाव लाए जा रहे हैं। उन्हें काम के लिए यूनिवर्सिटी का चक्कर काटने की जरूरत नहीं पड़ेगी। राज्य में इसे लागू करने को लेकर शिक्षा विभाग और केंद्र सरकार के साथ करार पहले ही हो चुका है। अब, इसे धरातल पर उतारने की कवायद चल रही है। राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में विभाग इसे लागू कराएगा। इसमें उत्तर पुस्तिकाओं की जांच भी ऑनलाइन हो सकेगी। इसके लिए उत्तर पुस्तिकाओं को स्कैन कर संबंधित कॉलेजों में भेजा जाएगा। पोर्टल पर ऐसे सॉफ्टवेयर होंगे, जिससे कॉपियों की जांच भी सुविधा पूर्वक प्रोफेसर कर सकेंगे। कॉपी जांच के क्रम में शिक्षक जैसे-जैसे विभिन्न प्रश्नों के उत्तर के लिए अंक देंगे, अंत में स्वतः सबका जोड़ सामने दिखने लगेगा। नई व्यवस्था में कॉपियों का रिकॉर्ड भी पोर्टल पर रहेगा, जिसे विश्वविद्यालय प्रशासन जरूरत पड़ने पर देख सकेगा। पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थियों का एडमिट कार्ड और रिजल्ट भी उपलब्ध हो सकेगा। जरूरत के अनुसार विद्यार्थी पोर्टल के माध्यम से अपना प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकेंगे। इतना ही नहीं विश्वविद्यालयों के वित्तीय लेन-देन की जानकारी भी पोर्टल से मिलेगी। इसके लिए मुख्यालय या बैंक नहीं जाना पड़ेगा। बिहार के विश्वविद्यालयों में पढ़ाई के इस नए सिस्टम से क्रांति आ जाएगी। राज्य के अधिकांश विश्वविद्यालों में लेट सेशन एक बड़ी समस्या है। ऑनलाइन सिस्टम से इसे पटरी पर लाने में जल्द कामयाबी मिलेगी क्योंकि परीक्षा के बाद रिजल्ट देने में ज्यादा दिन नहीं लगेंगे। उसके बाद विद्यार्थी अगले क्लास में नामांकन समय से ले पाएंगे। यह नई व्यवस्था लागू हो जाने के बाद लेट सेशन की समस्या पर काबू पाया जा सकेगा।

## मुजफ्फरपुर में लकड़ी माफिया ने वन विभाग के दारोगा को ट्रक से रौंदा

**मुजफ्फरपुर, एजेंसी।** बिहार में बालू, पत्थर के तर्ज पर लकड़ी का अवैध कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। इसमें माफिया तत्वों की एंट्री हो गई है जो अपने कारोबार के लिए अपराधी की तरह काम करते हैं। यहां तक कि वन विभाग के अधिकारियों का भी इन्हें खौफ नहीं होता। मुजफ्फरपुर में कार्रवाई के दौरान वन विभाग का एक दारोगा उनका शिकार बन गया। बैरिया-पुरानी मोतिहारी रोड में लकड़ी लदे ट्रक को रोकने पर ट्रक चालक ने वन विभाग के दारोगा को रौंद दिया और गाड़ी लेकर फरार हो गया। दारोगा गंभीर रूप से जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें इलाज के लिए बैरिया स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि वन विभाग के दारोगा रवि शंकर श्रीवास्तव लकड़ी लदे ट्रक को रोकने का प्रयास कर रहे थे। इसके लिए वह सड़क पर सामने से आकर ट्रक को आगे से हाथ दे रहे थे। चालक ने ट्रक नहीं रोका और दारोगा को रौंदते हुए भाग निकला। गंभीर रूप से जख्मी दारोगा सड़क पर पड़े रहे। आसपास के लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल प्रबंधन ने वन विभाग के अधिकारियों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद बड़ी संख्या में वनकर्मी अस्पताल पहुंचे।

इस मामले को मुजफ्फरपुर पुलिस ने भी गंभीरता से लिया है। घायल दारोगा का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनकी स्थिति ठीक नहीं है। अहियापुर पुलिस ट्रक की पहचान कर उसे पकड़ने की कार्रवाई में जुट गई है। इलाके के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है ताकि उस ट्रक का सुराग मिल सके। इधर वन विभाग भी इस घटना के बाद और एक्टिव हो गया है। मुजफ्फरपुर वन प्रमंडल के सभी आधिकारियों को छापेमारी का निर्देश दिया गया है। मुजफ्फरपुर पुलिस और प्रशासन की मदद लेकर लकड़ी के अवैध कारोबार को उखाड़ने की तैयारी शुरू हो गई है।

## व्यवसायी की करंट की चपेट में आकर मौत

**छपरा/दिघवारा, एजेंसी।** नगर पंचायत के शंकरपुर रोड निवासी व्यवसायी की करंट की चपेट मे आने से मौत हो गई। मृतक शंकरपुर रोड निवासी स्व बिहारी शर्मा का 30 वर्षीय पुत्र रमण कुमार शर्मा बताया जाता है। घटना के संबंध मे बताया जाता है कि बुधवार की रात्रि 9:30 बजे को उक्त व्यवसायी रोज की तरह दिघवारा पंप के निकट से अपनी दुकान बंद कर बाइक लगाने के लिए मीरपुर भुआल स्थित गोदाम में गया। गोदाम का गेट खोलकर बाइक रख दिया। इसी बीच गोदाम में ही करंट की चपेट मे आ गया जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। वह पांच भाइयों मे दूसरे नम्बर पर था। घटना के बाद वृद्ध मां मीरा कुंअर, भाई राज कुमार शर्मा, सोनू शर्मा, अमरजीत शर्मा व गोलू शर्मा का रो-रो कर बुरा हाल था।

**करंट लगने से युवक झुलसा, रेफर :** थाना क्षेत्र के चंचलिया गांव में अपने घर में पंखा चालू करने के क्रम में करंट लगने से एक युवक गंभीर रूप से झुलस गया। झुलसा युवक मंजीत कुमार यादव बताया जाता है जिसका रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार कर छपरा सदर अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। उपचार चल रहा है।

### मऊ और कोलकाता के बीच चलेगी समर स्पेशल, छपरा के यात्रियों को भी मिलेगी सुविधा, देखें टाइम टेबल

**छपरा, एजेंसी।** रेलवे द्वारा यात्रियों के यात्रा को सहूलियत और सुविधापूर्ण बनाने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे है। इसी क्रम में छपरा के

रास्ते स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जा रहा है।रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल में यात्रियों की हो रही अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए 05180 मऊ-कोलकाता ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का संचलन से 21 जून, 2024 को एकल यात्रा के लिये किया जायेगा। इस ट्रेन के संचालन से छपरा के यात्रियों को विशेष लाभ मिलेगा। छपरा से कोलकाता तक सफर करने वाले यात्री इस ट्रेन के माध्यम में अपना यात्रा कर सकते है। यह ट्रेन शाम 5:26 बजे मऊ से चलकर शाम 7:55 में छपरा पहुचेगी।

**21 कोच लगाये जाएंगे :** 05180 मऊ-कोलकाता ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 21 जून, 2024 को मऊ से 17.15 बजे प्रस्थान कर इंदारा से 17.30 बजे, रसड़ा से 17.54 बजे, बलिया से 18.30 बजे, छपरा से 19.55 बजे, हाजीपुर से 21.15 बजे, मुजफ्फरपुर से 22.20 बजे, समस्तीपुर से 23.35 बजे, दूसरे दिन बरौनी से 00.40 बजे, जसीडीह से 03.45 बजे तथा आसनसोल से 04.50 बजे छूटकर कोलकता 10.00 बजे पहुँचेगी।

## अनियंत्रित बालू लदे ट्रैक्टर ने युवक को रौंदा, मौत

**नवगछिया(भागलपुर), एजेंसी।** नवगछिया के राजेंद्र कॉलोनी में पुलिस फाड़ी के पास एक बिना नंबर के बालू लदे अनियंत्रित ट्रैक्टर ने माखातकिया निवासी मो. मुमताज (30 वर्ष) पिता मो. ठिठर को रौंद दिया, जिससे घटनास्थल पर ही युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद अनियंत्रित ट्रैक्टर बिजली के खंभे को तोड़ते हुए दीवार में जा घुसा। इससे अफरातफरी मच गई। सूचना मिलते ही मृतक के परिवार सहित पूरे मोहल्ले के लोग घटनास्थल पर पहुंच गए और ट्रैक्टर को अपने कब्जे में ले लिया। बड़ी संख्या में महिलाएं भी एकत्रित हो गईं। महिलाएं काफी आक्रोशित थीं। घटना की सूचना पर पहुंची नवगछिया पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया। चालक मुस्कान मिल्की का निवासी बताया जा रहा है। शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल भेजा। सूचना मिलने पर अस्पताल में लोगों की भीड़ जुटने लगी, जिससे स्थिति गंभीर होने लगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी पूरण झा के निर्देश पर नवगछिया एसडीपीओ ओम प्रकाश सहित कई थाने की पुलिस नवगछिया अस्पताल पहुंची और विधि व्यवस्था बनाए रखने में जुट गई। पुलिस ने मृतक के परिजनों को समझाकर मामला शांत करवाया और शव का पोस्टमार्टम करवाया।

### गुवाहाटी में सिलाई बुनाई का काम करता था मृतक

मृतक के बड़े भाई मो. इस्लाम ने बताया कि उसका छोटा भाई गुवाहाटी में 15 वर्षों से रहकर सिलाई बुनाई का काम करता था। 2 दिन पहले ही बकरीद पर वह घर आया था। उसके दो छोटे-छोटे बच्चे हैं। घटना के बाद मृतक की पत्नी के साथ-साथ छोटे-छोटे बच्चों का रो-रो कर बुरा हाल है।

### अनियंत्रित गति से चलते हैं बालू लड़ा ट्रैक्टर

नवगछिया बाजार सहित आसपास के इलाके में बालू लागे ट्रैक्टर अनियंत्रित गति से चलते हैं। छोटे-छोटे कम उम्र के लड़के तेज गति से लापरवाही से ट्रैक्टर चलाते हैं। विरोध करने पर यह मारपीट पर उतारू हो जाते हैं। इन चालकों के ऊपर बालू माफिया का हाथ रहता है। पार्षद मुन्ना भगत, नेहाल, फैयाज ने कहा कि सभी ट्रैक्टर के कागजात की जांच हो। नवगछिया एसडीपीओ प्रकाश ने बताया कि बालू लदे ट्रैक्टर के ठोकर लगने से युवक की मौत हुई है। ट्रैक्टर जब्त कर लिया गया है।

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

# मच्छर जनित रोगों से बचने के लिए पानी जमा न होने दें, फॉगिंग मशीनों को चालू हालत में रखें- डीएम

- डेंगू व चिकनगुनिया, मलेरिया रोग नियंत्रनार्थ जिला टास्क फ़ोर्स की हुई बैठक
- सभी स्वास्थ्य संस्थानों में दवा, जाँच मशीन, चिकित्सकों की उपलब्धता का रखें ध्यान

बीएनएम। मोतिहारी

डेंगू व चिकनगुनिया, मलेरिया के नियंत्रनार्थ एईएस/जेई कालाजार एवं मिजिल्स रुबेला से सम्बन्धित अंतः विभागीय जिला टास्क फ़ोर्स की बैठक जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें आईसीडीएस, जीविका, पंचायती राजपदाधिकारी, जिला सुचना जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला स्वास्थ्य समिति, व अन्य सभी विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थें।जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य संबंधित विभाग के अधिकारियों को मलेरिया, डेंगू व चिकनगुनिया की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए लोगों को जागरूक करने के साथ ही जाँच - इलाज का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करने के साथ ही सभी संबंधित विभाग को गतिविधियां चलाने का निर्देश दिया।उन्होंने कि बरसात के मौसम में मलेरिया, डेंगू व चिकनगुनिया के मामले बढ़ जाते हैं और ये मच्छर काटने से होते हैं। मच्छर जनित रोगों से बचने के लिए जरूरी है कि अपने घरों व आसपास के क्षेत्रों में पानी जमा न होने दें। शहरी स्थानीय निकाय व विकास एवं पंचायत विभाग अपनी फोगिंग मशीनों को चालू हालत में रखें।मच्छरों के पनपने पर अंकुश लगाने के लिए सभी स्थानीय निकाय, स्वास्थ्य व विकास एवं पंचायत विभाग आपसी तालमेल से कार्य करें और योजनाबद्ध तरीके से स्लम एरिया

व अन्य क्षेत्रों में बेहतर क्वालिटी की दवा का छिड़काव करवाएं, ताकि मच्छर समाप्त हो। इसके लिए सभी विभाग अपनी फॉगिंग मशीनों की मरम्मत आदि का काम करवाकर तैयार रखें। मच्छर जनित रोगों की रोकथाम व नियंत्रण की जानकारी उपलब्ध कराए। डीएम ने निर्देश दिया महादलित टोलो, ब्लॉक, अनुमण्डल एवं जिला स्तर पर सिविल सर्जन विभाग के कार्यों की समीक्षा करें। जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में दवाए, जाँच, मशीन का उपलब्धता पर ध्यान रखें की स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार हो, चिकित्सक संस्थान में समय पर उपलब्ध हो क़्वालिटी में कमी न हो अन्यथा विभागीय काररवाई की जाएगी। हम अखबारों के माध्यम से भी विभाग पूरी नजर रखते है।

**एईएस के 09 केस एवं जेई के 01 केस आए है-** जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शरत चंद्र शर्मा ने जिलाधिकारी को एईएस डेंगू, एवं वेक्टर रोगों की पीपीटी के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया की जिले में एईएस के 09 केस एवं जेई के 01 केस आए है। इससे बचाव के लिए जिले में चौपाल आयोजित कर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। सभी सरकारी अस्पतालों में एम्बुलेंस व इलाज की सुविधाएं उपलब्ध है। वहीं उन्होंने बताया की पिछले वर्ष डेंगू के 455 मरीज प्रतिवेदित हुए है।उन्होंने बताया की सदर अस्पताल में डेंगू मरीजों के इलाज हेतु 10 बेड, अनुमण्डलीय अस्पताल में 05 बेड, पीएचसी में 02 बेड बनाए गए है।डॉ शर्मा ने बताया की मलेरिया माह चल रहा है, जिले के सभी प्रखंडो में मलेरिया की जाँच व इलाज की सुविधाएं उपलब्ध है।उन्होंने बताया की कालाजार उन्मूलन की ओर तेजी से पूर्वी चम्पारण बढ़ रहा है।घोड़ासहन, अरेराज, पताहीं, रामगढ़वा प्रखंड में पिछले 3 वर्षों से कालाजार के मरीज नहीं मिले है। वहीं वर्ष 2024 में मई माह तक जिले में मात्र 06 कालाजार के मरीज प्रतिवेदित हुए है।02 पीकेडीएल के मरीज मिले हैं। इस वर्ष 23 प्रखंडों में ही सिंथेटिक पाराथराईड दवा की छिड़काव 05 जून से 16 अगस्त तक से अगले 60 दिनों तक कार्य दिवस तक किया जाएगा। ताकि बालू मक्खियों का समूल नष्ट हो सकें, 113 राजस्व गांवों,110 पंचायतों व 182888 घरों में कुल 912867 जनसंख्या वाले इलाकों में दवा की छिड़काव होना है। डॉ शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया की वर्ष 2018-196, 2019- 119, 2020- 69, 2021-67,2022-67,2023-26,2024-06 (कालाजार)के मरीज प्रतिवेदित हुए है।पिछले कुछ वर्षों में स्वास्थ्य विभाग के अथक प्रयास व जागरूकता के कारण जिले में कालाजार के मरीजों की संख्या काफी कम हो गई है। मौके पर सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिँह, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. श्रवण कुमार पासवान, डीएस डॉ. अवधेश कुमार, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, डीसीएम, डीपीसी, आईसीडीएस डीपीओ,महामारी पदाधिकारी,डैम, सदर अस्पताल प्रबंधक,नगर निगम, जिला सुचना जनसंपर्क पदाधिकारी,प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, यूनिसेफ़, डब्लूएचओ, सीफार डीसी ,भीडीसीओ व अन्य लोग उपस्थित रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### पुलिस अभिरक्षा में कैदी की हुई मौत का हो उच्चस्तरीय जांचः आकाश

**मृतक के परिजनों को नहीं मिला न्याय तो जिला मुख्यालय पर करूँगा आमरण अनशन- छात्र नेता**

**बीएनएम। मोतिहारी।** जिला के घोड़ासहन प्रखंड अंतर्गत झरौखर थाना के कसाव विशुनपुर निवासी नन्हक राय की मौत पुलिस अभिरक्षा में होने के बाद मामला तूल पकड़ लिया है। सांसद पप्पू यादव के समर्थक छात्र नेता आकाश सिंह राठौड़ ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर झरौखर थाना के हाजत में बंद नन्हक राय के मौत की उच्चस्तरीय जाँच कराने तथा झरौखर थानाध्यक्ष के निलंबन की मांग किया है। छात्र नेता श्री राठौड़ ने कहा कि बंदी नन्हक राय की मौत पुलिस की पिटाई के कारण हुई है और पुलिस मामले को दबाने के लिए आत्महत्या का रूप दे रही है। छात्र नेता ने कहा कि पुलिस अभिरक्षा में बंदी की मौत पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़ा रही है। कैसे कोई हाजत के अंदर आत्महत्या कर सकता है? ये बड़ा सवाल है। कहा कि हाजत के अंदर फर्स पर सोने के अलावे कोई दूसरा समान नहीं रहता है, कैदी जब हाजत में बंद होता है तो एक मिनट के लिए भी पहरा नहीं टूटता है।

### योगाभ्यास से तन और मन दोनों की होती है शुद्धिः प्राचार्य

**बीएनएम। मोतिहारी।** अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मुंशी सिंह महाविद्यालय में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें पी.टी.आई.मनोरंजन प्रसाद सिंह ने उपस्थित अध्यापकों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं को अनुलोम विलोम, भस्त्रिका, प्रणायाम, ताड़ासन, पद्मासन और सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया।इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.दिनेशचंद्र राय द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भेजे गए संदेश को पढ़कर उपस्थित लोगों को सुनाया। इस अवसर पर प्राचार्य श्री कुमार ने कहा कि योगाभ्यास से तन और मन दोनों की शुद्धि होती है और हमारी काया में रोगों से लड़ने की क्षमता पैदा होती है अतः हमसबों को योग की शरण में अपने को समर्पित कर देना चाहिए। इस अवसर पर प्रो.अमरजीत कुमार चौबे, डॉ.मनोहर श्रीवास्तव, दिलीप सिंह, प्रमोद कुमार, सुनील महाराज, राजेश कुमार, हर्षवर्धन कुमार, प्रदीप दूबे, रणधीर कुमार, संतोष कुमार आदि उपस्थित रहे।

### भारतीय संस्कृति और संस्कारों का अभिन्न अंग है योग

**बीएनएम। मोतिहारी।** योग साधारण व्यायाम नहीं है, बल्कि एक नवीन जीवन पद्धति को स्थापित करने का प्रभावकारी साधन है। यह एक ऐसी जीवन शैली है, जिसमें जीवन की बाह्य एवं आन्तरिक वास्तविकताओं का सुन्दर संयोग होता है। उक्त विचार शुक्रवार को शहर के महर्षिनगर स्थित आर्षविद्या शिक्षण प्रशिक्षण सेवा संस्थान-वेद विद्यालय में अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित सामान्य योगाभ्यास शिविर में सम्मिलित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य सुशील कुमार पाण्डेय ने व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि योग भारतीय संस्कृति और संस्कारों का अभिन्न अंग है। शरीर का मन से, मन का आत्मा से और आत्मा का परमात्मा से मिलन ही योग है। योग सम्यक् जीवन का विज्ञान है। अतः इसका समावेश हमारे जीवन में एक नियत दैनिक दिनचर्या के रूप में होना चाहिए। इस अवसर पर योग शिक्षिका नीतू सिंह एवं माधुरी मिश्रा ने प्रतिभागियों को योगाभ्यास कराया। मौके पर सुधीर दत्त पाराशर, रुपेश कुमार ओझा, कृष्ण कुमार, राकेश कुमार तिवारी, आलोक चन्द्रा, सुधाकर पाण्डेय, सुजीत मिश्रा, कुमारी पूनम, प्रदीप कुमार, डॉ नितेश पाण्डेय, अरुण तिवारी, सुनील उपाध्याय सहित वेद विद्यालय के छात्र व अन्य लोग मौजूद थे।

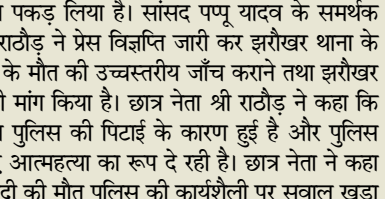

## कम उम्र की शादी परिवार की बर्बादी का बनता है कारणः सीडीपीओ

बीएनएम। मोतिहारी

महिला एवं बाल विकास निगम समाज कल्याण विभाग, यूनिसेफ के सहयोग से बाल रक्षा भारत सेव द चिल्ड्रेन द्वारा संचालित उड़ान परियोजना अंतर्गत चकिया प्रखंड के बरमादिया पंचायत स्थित बलोचक गांव में किशोर-किशोरी सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत किशोर-किशोरी समूह के बीच बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर बाल विकास परियोजना पदाधिकारी चकिया कुमारी श्वेता ने बरमदिया पंचायत के सभी किशोर किशोरी समूह के बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि कम उम्र की शादी परिवार की बर्बादी का कारण बनता है। इसलिए जब बच्चे पढ़ लिख कर अपने पैर पर खड़े हो जाएंगे तभी उसकी शादी अच्छी भी लगती है। उन्होंने कहा कि जब बच्चे विद्यालय में होंगे तब कम उम्र में शादी नहीं होगी। जब लड़किया पढ़ कर नौकरी पेशा में जाएंगी तो दहेज में भी कमी आएगी। उन्होंने स्टूडेंट कैरेडिट कार्ड सहित सरकार के अन्य संचालित योजनाओं का लाभ उठा अपने सपने को साकार कर सकते हैं। इस अवसर पर उड़ान परियोजना के जिला समन्वयक हामिद रजा ने किशोर-किशोरी समूह के उद्देश्यों को बताते हुए कहा कि नेतृत्व, आत्मविश्वास, जागरूकता और क्षमता विकास करना जिससे वे वास्तिविक एवं सामाजिक परिस्थितियों का सामना करके उनका व्यवहारिक हल ढूढ़ सके। बाल-बाल विवाह, दहेज प्रथा के दुष्परिणामों एवं उसके कानूनी प्रधानों से अपने परिवार एवं तोला के लोगों को जागरूक कर सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने में सहयोगी बन सके। उन्होंने कहा कि किशोर किशोरी के लिए सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी से अपने क्षेत्र के लोगों को अवगत कराना समूह के उद्देश्यों में शामिल है।

## योग हमें जीने की कला सिखाती हैं : कार्यवाहक कमान्डेंट

- अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर किया गया योगाभ्यास
- स्वस्थ रहने के लिए दैनिक जीवन में शामिल करें योग

बीएनएम। मोतिहारी

एस.एस.बी. कैम्प पिपराकोठी 71 वीं बटालियन के द्वारा दिनेश कुमार ममोत्रा कार्यवाहक कमान्डेंट के निर्देशन में शुक्रवार को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एस. एस. बी. के अधिकारियों जवानों क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने पिपराकोठी खेल मैदान में योगाभ्यास किया। इस अवसर पर श्री ममोत्रा ने बताया कि योग कर के हम अपने शरीर को निरोग रख सकते हैं साथ ही एक स्वस्थ व खुशहाल जीवन व्यतीत कर सकते हैं I वर्तमान समय में लोग धीरे-धीरे तनाव व मानसिक विकृतियां जैसी रोगों से ग्रसित होते जा रहें हैं जिसे हम निरंतर योग कर सही कर सकते हैं I इस अवसर पर एस. एस. बी. के जवानों ने मोतिहारी के ऐतिहासिक गाँधी मैदान में 25 बिहार बटालियन के एन.एन. सी. कैडेट्स के साथ संयुक्त रूप से योगाभ्यास कर लोगों को जागरूक किया I इस 45 मिनट के योगाभ्यास में लगभग दो दर्जनों से ज्यादा योगासन जैसे सूक्ष्म व्यायाम, ताड़ासन, अनुलोम- विलोम, मण्डुकासन,भ्रामरी, कपाल भांति, त्रियकासान इत्यादि किया गया I भारत- नेपाल अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित एस.एस.बी. सीमा चौकियों में भी ग्रामीणों के साथ मिल कर योगाभ्यास किया गया I इस अवसर पर दिनेश ममोत्रा, विश्वजीत तिवारी उप कमान्डेंट, भाग सिंह सहा. कमान्डेंट, निरीक्षक किशन सिंह, सुरेंद्र सिंह ,रजनीश कुमार, सुकांता सिन्हा, हरदेव सिंह, संदीप कुमार, योग गुरु मुख्य आरक्षी अंगद सिंह और बड़ी संख्या में जवान और ग्रामीण मौजूद रहें।

## एलएनडी कॉलेज की पाठशाला में योगशाला

बीएनएम। मोतिहारी

शहर स्थित एलएनडी कॉलेज में दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पुनीत अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं नेहरू युवा केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार को आहूत योगशाला में योग कर निरोग रहने का संकल्प लिया गया। प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा, नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा पदाधिकारी स्वरूप एम देशभ्रतार व एनएसएस जिला नोडल पदाधिकारी प्रो. अरविंद कुमार ने आरोग्य भारती से आए योगगुरु नवीन कुमार को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने योगशाला के योगाभ्यासियों को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक जीवनशैली के कारण उत्पन्न तनावों को कम करने के लिए योग तन व मन दोनों के लिए अत्यावश्यक है। उन्होंने शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक तत्वों से समाविष्ट योग को दार्शनिक सिद्धांतों का अनुप्रयोग उद्घोषित करते हुए कहा कि ध्यान, धारणा व समाधि ही योगियों का मूलमंत्र है। एनएसएस जिला नोडल पदाधिकारी प्रो.अरविंद कुमार ने इस सामूहिक योग शिविर में दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 के थीम योगा फॉर सेल्फ एंड सोसाइटी/स्वयं और समाज के लिए योग को रेखांकित करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एक समावेशी उत्सव है जो सीमाओं, धर्मों और सांस्कृतिक मतभेदों से परे है। यह व्यक्तिगत कल्याण और सामाजिक सद्भाव को प्रोत्साहित करता है। प्रातः काल महाविद्यालय परिसर में आहूत योगशाला में आरोग्य भारती से आए योगगुरु नवीन कुमार ने योगाभ्यासियों को योग, प्राणायाम एवं ध्यान कराते हुए कहा कि योग चार तरीकों से किया जाता है - खड़ा होकर, बैठकर, पेट के बल पर एवं पीठ के बल पर। योगगुरु के निर्देशन में शिक्षकों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों व स्वयंसेवियों ने विभिन्न प्रकार के आसन, प्राणायाम एवं ध्यान कर इसे जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। उपस्थित योगार्थियों को अभ्यास कराते हुए वृक्षासन, पद्मासन, भुजंगासन, ताड़ासन, मयुरासन, कापालभाति, सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, भस्त्रिका और अनुलोम-विलोम आदि के गुर सिखाए गए। राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ.कुमार राकेश रंजन ने योगार्थियों के समक्ष बीआरए बिहार विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर के कुलपति का योग संदेश पठित किया। मौके पर नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा पदाधिकारी स्वरूप एम देशभ्रतार ने उपस्थित योगार्थियों को योग की शपथ दिलायी।

## महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में "स्वयं और समाज के लिए योग" के उद्देश्य के साथ मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) ने 21 जून, 2024 को "स्वयं और समाज के लिए योग" के प्रेरणादायक उद्देश्य के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। इस महत्वपूर्ण दिन को चिह्नित करने के लिए विश्वविद्यालय खेल बोर्ड द्वारा चाणक्य परिसर में योग गुरु शैलेंद्र के नेतृत्व में एक विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया। योग सत्र में योग गुरु शैलेंद्र ने विभिन्न आसनों और प्राणायाम तकनीकों का अभ्यास कराया, जो शारीरिक लचीलेपन, मानसिक एकाग्रता और आंतरिक शांति को बढ़ाने के लिए कारगर हैं। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अभ्यास के गहरे लाभों का अनुभव किया। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। प्रो. श्रीवास्तव ने योग के महत्व पर प्रकाश डाला और इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए सभी को प्रेरित किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा, "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हमें इस प्राचीन अभ्यास की समयहीन प्रासंगिकता की याद दिलाता है, जो आत्म-देखभाल और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देता है। एमजीसीयू में, हम स्वस्थ, अधिक संतुलित और सामंजस्यपूर्ण समाज को बढ़ावा देने के लिए योग को अपने समुदाय की जीवन शैली में शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" विश्वविद्यालय खेल परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. शिरीष मिश्रा ने सभा को संबोधित करते हुए शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक संतुलन को बढ़ावा देने में योग की परिवर्तनकारी शक्ति पर जोर दिया। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 के सफल आयोजन के लिए सभी प्रतिभागियों और आयोजकों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस आयोजन में छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों की भारी उपस्थिति रही। छात्र कल्याण डीन प्रो. आर्थत्राण पाल, परीक्षा नियंत्रक डॉ. कृष्णकांत उपाध्याय, प्रो. प्रणवीर सिंह, प्रो. आशीष श्रीवास्तव, प्रो. प्रसून दत्ता सिंह, प्रो. देवदत्त चतुर्वेदी, प्रो. पवनेश कुमार, डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव, डॉ. शिवेंद्र सिंह, सहायक अभियंता (सिविल) इंजीनियर कौशलेश कुमार सिंह, कनिष्ठ अभियंता (सिविल) इंजीनियर कौस्तुभ शंकर पांडे और कनिष्ठ अभियंता (विद्युत) इंजीनियर उत्पल कुमार मौर्य शामिल थे।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

# हंगामे के बीच संपन्न हुई पंचायत समिति की बैठक, सीडीपीओ, मनरेगा पीओ समेत पीएचसी प्रभारी की जमकर लगी क्लास

- बैठक के दौरान मनरेगा के कामों का दिन भर चली जांच
- मनरेगा पीओ पर बिना कार्य कराए मोटी रकम लेकर भुगतान करने का है आरोप

बीएनएम। हरसिद्धि

प्रखंड मुख्यालय के सभागार में शुक्रवार को पंचायत समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख जानकी देवी ने किया। बैठक में उपस्थित प्रखंड क्षेत्र के सभी मुखिया, पंचायत समिति सदस्य उपस्थित रहे। वहीं बैठक में बाल विकास परियोजना स्वास्थ्य विभाग मनरेगा का मामला छाया रहा। जनप्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि आंगनबाड़ी केंद्र समय से नहीं खुलते हैं समय के पहले बंद हो जाते हैं। सरकार के द्वारा आ रही योजनाओं को बंदर बांट कर दिया जाता है। इतना ही नहीं मुखिया और पंचायत समिति सदस्यों ने बाल विकास परियोजना के अधिकारी रंजीत कुमार को बताया कि आपकी विभाग में कमीशन खोरी बढ़ चुकी हैं। सरकारी योजनाओं की लाभ हर लाभुक को नही मिल रहा है। वहीं स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी को भी जनप्रतिनिधियों ने चेताया कि किसी भी पंचायत में उप स्वास्थ्य केंद्र नहीं चल रहे हैं। दवा रहते हुए भी आम जनता के दवा नहीं दी जा रही है। सरकार की योजना को धरातल पर नहीं उतार कर योजनाओं में लूट खसोट की जा रही है। बिजली विभाग की लापरवाही उजागर हुई है। अभियंता के द्वारा आम जनता की फोन को नहीं उठाया जाता है। आम जनता के पास बहुत सारी समस्या है जिसके समाधान के लिए अभियंता के पास फोन किया जाता है तो वह फोन रिसीव नहीं करते हैं। जिसके कारण आम बिजली उपभोक्ता परेशान नजर आ रहे हैं। पंचायत समिति की बैठक में मनरेगा पर भी सवालिया निशान उठ रहा है की मनरेगा में लुट खसोट मची हुई है। अनियमिकता को लेकर मनरेगा में जांच भी जिले कई अधिकारियों की टीम भेजकर जांच कराई जा रही है। पंचायत समिति की बैठक में सभी पदाधिकारी उपस्थित थे। सभी पदाधिकारी की बातों की आदान-प्रदान सभी जनप्रतिनिधि से हुई और समस्या का समाधान शीघ्र करने का आश्वासन दिया गया। मिला-जुलाकर पंचायत समिति की बैठक हागमेदार रही।राशन कीराशन बिजली स्वास्थ्य बाल विकास का मुद्दा छाया रहा। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज पासवान, थाना अध्यक्ष नवीन कुमार, बीपीआरओ आलोक कुमार सभी पंचायत समिति सदस्य एवं सभी विभाग की पदाधिकारी गण उपस्थित थे। पंचायत समिति की बैठक में सभी पंचायत के पंचायत समिति के द्वारा योजनाएं के चयन के लिए लिखित आवेदन दिया गया है। जिसके आधार पर योजनाओं का काम किया जाएगा।

## संक्षिप्त समाचार

### बेलवराय पंचायत के महनवा पोखरा के समीप अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

**बीएनएम। तुरकौलिया।** प्रखंड अंतर्गत बेलवराय पंचायत के महनवा पोखरा के समीप अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। जहां मनरेगा पीओ जितेन्द्र कुमार ने अपने विभाग के सभी रोजगार सेवक, पीटीए, जेई के साथ साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि के साथ 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया है। 2014 में संयुक्त राष्ट्र (UN) ने 21 जून के दिन को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया था। तब से इसे अलग-अलग थीम पर मनाया जा रहा है। मनरेगा पीओ जितेन्द्र कुमार ने बताया कि योग दिवस के अवसर पर सभी रोजगार सेवक के साथ योगा करने का टिप्स दिया गया। जिससे हमारा शरीर स्वस्थ रहता है। योगा से शारीरिक के साथ साथ मानसिक रूप से मजबूती मिलती है। मौके पर मनरेगा पीओ जितेन्द्र कुमार, मुखिया प्रेरणा कुमारी, पंचायत समिति सदस्य ईद महम्मद, पीआरएस राजेश कुमार, अजय कुमार,अरुण कुमार रविन्द्र कुमार संतोष कुमार शहाबुद्दीन अजय केव्ठ पीटीए उपेन्द्र कुमार अभिषेक कुमार, जेई कन्हैया कुमार आदि मौजूद थे।

### महावीर सरस्वती शिशु-विद्या मंदिर मे योग दिवस का किया गया आयोजन

**बीएनएम। हरसिद्धि।** 10 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर चम्पारण बैंक्वेट एण्ड रीसॉर्ट के परिसर में आयोजित योग कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा राष्ट्रीय परिषद के सदस्य और विद्यालय के संरक्षक राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सचिव अजय कुमार सुल्तानिया, पू.चम्पारण जिला भाजपा उपाध्यक्ष देवेश कुमार सिंह, जिला अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के महामंत्री रवि विश्वकर्मा, हरसिद्धि मंडल अध्यक्ष अच्छेलाल कुशवाहा एवं भाजपा से जुड़े अन्य लोगों सहित विद्यालय के कई अभिभावकों एवं गणमान्यजनों की उपस्थिति रही। "वर्तमान परिप्रेक्ष्य में योग की महत्ता" विषय पर जिला भाजपा उपाध्यक्ष देवेश कुमार सिंह देवेश ने अपने उद्बोधन से उपस्थित लोगों को योग के महत्व को बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता ने इस वर्ष के योग कार्यक्रम के थीम स्वयं एवं समाज के लिए विषय पर अपने उद्बोधन द्वारा उपस्थित आगंतुकों एवं भैया-बहनों का मार्गदर्शन किया।

### अंतर्राष्ट्रीय योगा दिवस पर मनरेगा मजदूरों ने योगा कर सीखें खुद को स्वस्थ रखने के गुर

**बीएनएम। बेतिया।** अंतर्राष्ट्रीय योगा दिवस पर मनरेगा मजदूरों ने भी योगा कर खुद को स्वस्थ रखने के गुर सीखें।चनपटिया प्रखंड के लोहियरिया पँचायत स्तिथ प्रजापति अमृत सरोवर तट पर मनरेगा मजदूरों को पँचायत रोजगार सेवक सुशील कुमार मुखिया विनोद कुमार पांडेय ने योग के विभिन्न आसन और प्राणायाम सिखाया।वही इस दौरान हर कोई योग कर खुद को फिट रखने की मशक्कत में जुटा नजर आया।वही इस दौरान युवाओं से लेकर वृद्धजन तक योग अभ्यास करते दिखे।वही चनपटिया प्रखंड के मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी देवकांत कुमार ने बताया कि शरीर,मन और आत्मा को संतुलित रखने के लिए योगा करना जरूरी है।तयहमसब को दैनिक दिनचर्या में योग को शामिल करना चाहिए।योगाभ्यास के मौके पर हरिओम दास, राजू बैठा,आमोद ठाकुर,रमेश कुमार सहित दर्जनों मनरेगा मजदूर मौजूद रहे।

## स्कूल परिसर में शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं ने योगाभ्यास किया

बीएनएम। हरसिद्धि

योग न केवल स्वस्थ शरीर पाने का सबसे सरल तरीका है, बल्कि इसका नियमित अभ्यास से मन और दिमाग को शांत कर वास्तविक सुख प्रदान करता है। ऐसे में योग दिवस के इस खास मौके पर आप अपने अपनों को नियमित योग कर निरोग काया और मन की शांति पाने के लिए जागरूक कर सकते हैं। वहीं आज दिन शुक्रवार को हरसिद्धि प्रखंड के सोनबरसा पंचायत मचवा चौक स्थित श्री रामेश्वर उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय 10+2 के परिसर में शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं द्वारा योग दिवस मनाया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि सरपंच श्री साहनी उपस्थित रहे, शिक्षक छठू राउत ने छात्र एवं छात्राओं को योग के गुण सिखाए। स्कूल के प्रधानाध्यापक प्रमोद महतो ने योग के महत्व बताएं, योग में शामिल शिक्षक एवं शिक्षिकाओं में बैजनाथ पासवान, मनोज कुमार, अमित कुमार तिवारी, अमरजीत कुमार, समरदीप कुमार सिंह, अमित कुमार श्रीवास्तव, गया शंकर राम, अमर कुमार, आदित्यनाथ तिवारी, समरीन शमीम, मनीषा कुमारी, शारदा कुमारी, अंशु कुमारी, रिंकी कुमारी, कृष्णा कुमार, शिवम् कुमार, मुकेश कुमार, एवं इस योग दिवस के मौके पर स्कूल के 400 सौ के करीब छात्र- छात्राओं ने भाग लिया।

## 65 प्रतिशत आरक्षण पर पटना हाईकोर्ट का फैसला वंचितों के साथ अन्याय: आइसा/ आरवाईए

बीएनएम। बेतिया

महागठबंधन सरकार द्वारा पिछले दिनों जाति गणना और आर्थिक सर्वेक्षण के बाद पिछड़ा अति पिछड़ा आदिवासी आदि को दिया गया 65 प्रतिशत आरक्षण पर पटना हाईकोर्ट के रोक के बाद आइसा और आरवाईए ने राज्य स्तरीय आंदोलन के तहत बेतिया में प्रतिवाद मार्च करते हुए शहिद पार्क बेतिया में सभा में तब्दील हो गया। आइसा जिला अध्यक्ष अभिमन्यु राव और आरवाईए जिला अध्यक्ष फरहान राजा ने इस फैसले को वंचितों के साथ अन्याय बताया है और इसपर रोक लगाने की मांग कही है। आगे दोनों नेताओं ने कहा कि मोदी सरकार ने सबसे पहले 10% EWS लागू करके 50% की सीमा को पार किया और सुप्रीम कोर्ट ने इसे बरकरार रखा. बिहार की जाति जनगणना के बाद, विधानसभा और राज्य सरकार ने एससी/ एसटी, ईबीसी और ओबीसी के लिए आरक्षण का विस्तार किया. इसे रद्द करने वाला उच्च न्यायालय का फैसला स्पष्ट रूप से प्रतिगामी है. यह शोषित वंचित तबकों के साथ अन्याय है। इस फैसले पर रोक लगाने से दलित पिछड़ों को शिक्षा रोजगार में समुचित अवसर नहीं मिल पाएंगे और उनकी हकमारी होगी। इसको लेकर आज आइसा और आरवाईए राज्य भर में रोक लगाने वाले आदेश की प्रति जलाकर विरोध प्रदर्शन किए है।

## दो दिनों तक पेंडिंग दाखिल खारिज का निष्पादन कैंप के माध्यम से दो दिनों तक करें राजस्व कर्मचारी

बीएनएम। मझौलिया

**लापरवाही बरतने वाले हल्का कर्मचारी के खिलाफ आरोप पत्र किया जाएगा गठित**

अंचलाधिकारी राजीव रंजन द्वारा साप्ताहिक समीक्षा बैठक में अंचल कर्मी और राजस्व कर्मचारीयों के कार्यों की समीक्षा की उन्होंने जिला पदाधिकारी के आदेश का हवाला देते हुए बताया कि आज शनिवार से और रविवार को पंचायत वार पोषक क्षेत्र के राजस्व कर्मचारी शिविर के माध्यम से लंबित दाखिल खारिज का 50% निष्पादन हर हाल में पूरा करें अन्यथा लापरवाही में रखने वाले राजस्व कर्मचारियों के खिलाफ आरोप पत्र गठित कर जिला मुख्यालय में भेजा जाएगा वही अंचल क्षेत्र के पंचायतों में गुदरा रामनगर बनकट रामपुरवा महाव डुमरी बरवा सेमरा घाट में पंचायत महा सरकार भवन के लिए अभी तक चयनित भूमि का रिपोर्ट नहीं देने पर नाराजगी जाहिर करते हुए एक सप्ताह के अंदर राजस्व कर्मचारियों से रिपोर्ट देने का सख्त हिदायत दी इधर नानू सती में विद्युत शक्ति उपकेंद्र के लिए चयनित भूमि का रिपोर्ट देने का निर्देश के साथ अवहार कुड़िया पंचायत भवन मैं ग्रामीणों द्वारा लगाए गए आरोप का जांच करने का निर्देश राजस्व कर्मचारी प्रिंस कुमार को दिए इस अवसर पर अंचल निरीक्षक रघुनाथ चौधरी प्रधान लिपिक अभय कुमार रवि कुमार विकास कुमार अंकित कुमार आशीष झा राहुल कुमार अमित कुमार अजय कुमार विवेक कुमार आदि अंचल कर्मी उपस्थित थे।

## प्रखंड प्रमुख कार्यालय का हुआ उद्घाटन

बीएनएम। हरसिद्धि

नवनिर्वाचित प्रखंड प्रमुख के प्रखंड कार्यालय का उद्घाटन फीता काटकर प्रखंड प्रमुख जानकी देवी ने किया। अविश्वास प्रस्ताव के बाद नवनिर्वाचित प्रखंड प्रमुख जानकी देवी अपने पंचायत समिति सदस्यों के साथ शुक्रवार को अपने कार्यालय का उद्घाटन किया। प्रखंड प्रमुख जानकी देवी ने संबोधित करते हुए कही की हम सब जनप्रतिनिधि मिलकर प्रखंड क्षेत्र में चौतरफा विकास के लिए वचनबद्ध हैं, इसलिए हम लोग को कंधे से कंधे मिलाकर विकास का काम करना होगा। उन्होंने बताई की आज पंचायत समिति की बैठक में योजनाओं का चयन किया गया है, प्रखंड क्षेत्र में सभी वार्डों में विकास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी जनप्रतिनिधियों अधिकारियों के मान-सम्मान को रखते हुए विकास की गति को बल दिया जाएगा। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज पासवान उपस्थित पूर्व उप प्रमुख सुगांती देवी, युवा समाजसेवी सह प्रमुख पुत्र मनोज कुमार राम, मुखिया भागीरथ कुशवाहा, नमन कुशवाहा, दिनेश पटेल, नागेंद्र यादव, विनोद राम, सविता देवी, अरमान अंसारी, सरफराज राय, शिवजी यादव, दिनेश पटेल, बृजकिशोर यादव, विजय कुशवाहा, राजेश कुमार, सुरेंद्र कुशवाहा, मुस्तकीम अंसारी, अमजद खान, बसंत पासवान, गफूर मियां, मुखिया कस्तूरी खां, कपिल देव राम, रामजन्म राम, राजकुमार राम, शशी तिवारी सभी पंचायत समिति उपस्थित थे,

## संपादकीय

# आडम्बरों के घोर विरोधी थे संत कबीर

मध्यकालीन युग के महान कवि संत कबीर दास जी ने अपना सारा जीवन देशाटन करने और साधु-संतों की संगति में व्यतीत कर दिया और अपने उन्हीं अनुभवों को उन्होंने मौखिक रूप से कविताओं अथवा दोहों के रूप में लोगों को सुनाया। अपनी बात लोगों को बड़ी आसानी से समझाने के लिए उन्होंने उपदेशात्मक शैली में लोक प्रचलित और सरल भाषा का प्रयोग किया। उनकी भाषा में ब्रज, अवधी, पंजाबी, राजस्थानी तथा अरबी फारसी के शब्दों का मेल था। अपनी कृति सबद, साखी, रमैनी में उन्होंने काफी सरल और लोक भाषा का प्रयोग किया है। गुरु के महत्व को सर्वोपरि बताते हुए समाज को उन्होंने ज्ञान का मार्ग दिखाया। मध्यकालीन युग के इन्हीं महान कवि संत कबीर दास जी की जयंती प्रतिवर्ष ज्येष्ठ माह की शुक्ल पक्ष पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है, जो इस वर्ष 22 जून को मनाई जा रही है। माना जाता है कि इसी पूर्णिमा को विक्रमी संवत् 1455 सन् 1398 में उनका जन्म काशी के लहरतारा ताल में हुआ था। संत कबीर सदैव कड़वी और खरी बातें करने वाले ऐसे स्वच्छंद विचारक थे, जिन्होंने समाज में फैली कुरीतियों, कर्मकांड, अंधविश्वास, अंधश्रद्धा, आडम्बरों की कड़ी आलोचना करते हुए समाज में प्रेम, सद्भावना, एकता और भाईचारे की अलख जगाई। उन्होंने अपने दोहों और वाणी के माध्यम से धर्म के नाम पर आम जनता को दिग्भ्रमित करने वाले काजी, मौलवी, पंडितों, पुरोहितों को आईना दिखाने का भी साहसिक प्रयास किया।

संत कबीर नित्य प्रति सत्संग किया करते थे और लोग दूरदराज से भी उनके प्रवचन सुनने आया करते थे। उनकी वाणी में ऐसी अद्भुत ताकत थी कि लोग उनका सत्संग सुनने अपने आप ही दूर-दूर से उनकी ओर खिंचे चले आते थे। एक दिन सत्संग खत्म होने के बाद भी एक व्यक्ति वहां बैठा रहा। कबीरदास ने उस व्यक्ति से इसका कारण पूछा तो उसने उत्तर दिया, ''महाराज! मुझे आपसे कुछ जानना है। दरअसल मैं एक गृहस्थ हूं और परिवार में सभी लोगों से अक्सर मेरा झगड़ा होता रहता है। मुझे समझ ही नहीं आता कि आखिर मेरे यहां गृह क्लेश क्यों होता है और वह किस प्रकार दूर हो सकता है?''

संत कबीर कुछ देर चुप रहे, फिर उन्होंने अपनी पत्नी को आवाज लगाते हुए कहा कि जरा लालटेन जलाकर लाओ! दोपहर का समय था और बाहर तेज धूप निकली हुई थी लेकिन उनकी पत्नी बिना कोई सवाल पूछे चुपचाप उनके कहेनुसार लालटेन जलाकर ले आई। वह आदमी भौंचक्का सा यह दृश्य देखते हुए विचार करने लगा कि आखिर संत ने इतनी दोपहर में भी लालटेन क्यों मंगाई है? कुछ मिनटों के बाद कबीरदास ने फिर पत्नी को आवाज लगाई और कहा कि जरा कुछ मीठा दे जाना। पत्नी आई और मीठे के बजाय थोड़ी नमकीन रखकर चली गई। वह व्यक्ति सोचने लगा कि ये संत और इनकी पत्नी शायद पागल हैं, तभी दोपहर के समय लालटेन जलाते हैं और मीठे के बदले यहां नमकीन मिलती है। यही सोचकर उसने चुपचाप वहां से खिसकने के इरादे से कहा कि महाराज! मैं अब चलता हूं। लेकिन कबीरदास ने उससे पूछा कि आपको अपनी समस्या का समाधान मिला या अभी भी कोई संशय शेष है? उस व्यक्ति को कुछ समझ नहीं आया और वह आश्चर्य से उनकी ओर देखने लगा तो संत कबीर ने उसे समझाते हुए कहा कि जिस प्रकार मैंने दोपहर की रोशनी में भी लालटेन मंगवाई तो मेरी धर्मपत्नी मुझे ताना मारते हुए कह सकती थी कि मैं सठिया गया हूं, जो इस दोपहरी में भी लालटेन मंगवा रहा हूं लेकिन उसने सोचा कि अवश्य ही मुझे किसी काम के लिए लालटेन की जरूरत होगी। इसी प्रकार मेरे मीठा मंगवाने पर जब वह नमकीन देकर गई तो मैं भी उससे बहस कर सकता था लेकिन मैंने विचार किया कि संभवतः घर में कोई मीठी वस्तु नहीं होने पर ही वह नमकीन देकर गई है। आखिर गृहस्थ जीवन में ऐसे बातों को लेकर तकरार का क्या अर्थ? कबीरदास ने उसे गृहस्थ जीवन का मूल मंत्र समझाते हुए कहा कि अगर पति से कोई गलती हो जाए तो पत्नी संभाल ले और पत्नी से कोई गलती होने पर पति उसे नजरअंदाज कर दे। गृहस्थी में आपसी विश्वास से ही तालमेल बनता है और इससे विषम से विषम परिस्थिति भी स्वतः ही हल हो जाती है।

**– योगेश कुमार गोयल**

# सनातन हिंदू संस्कृति का पूरे विश्व में फैलना आज विश्व शांति के लिए आवश्यक है

यूरोप में हाल ही में सम्पन्न हुए चुनावों में दक्षिणपंथी कहे जाने वाले दलों की राजनैतिक ताकत बढ़ी है। हालांकि सत्ता अभी भी वामपंथी एवं मध्यमार्गीय नीतियों का पालन करने वाले दलों की ही बने रहने की सम्भावना है परंतु विशेष रूप से फ्रान्स एवं जर्मनी में इन दलों को भारी नुक्सान हुआ है। इटली की देशप्रेम से ओतप्रोत दल की मुखिया जोरजीया मेलोनी को अच्छी सफलता हासिल हुई है। कुल मिलाकर यूरोपीय देशों के नागरिकों में देशप्रेम का भाव धीमे धीमे लौट रहा है एवं वे अब अपने अपने देश में अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों का विरोध करने लगे हैं। विशेष रूप से यूरोप के आस पास के मुस्लिम बहुल देशों से भारी संख्या में मुस्लिम नागरिक अवैध रूप से इन देशों में शरण लिए हुए हैं एवं अब वे इन देशों की कानून व्यवस्थ के लिए एक बहुत बड़ी समस्या बन गए हैं। जर्मनी एवं फ्रान्स ने मुस्लिम नागरिकों को मानवीय आधार पर अपने देश में बसाने में शिथिल नीतियों का पालन किया था और अब ये दोनों देश इस संदर्भ में विभिन्न समस्याओं का सबसे अधिक सामना कर रहे हैं।

आज जब कई मुस्लिम देश शिया एवं सुन्नी सम्प्रदाय के नाम पर आपस में ही लड़ रहे हैं तो उनका ईसाई पंथ को मानने वाले नागरिकों के साथ सामंजस्य किस प्रकार रह सकता है, अतः यूरोपीयन देशों के नागरिकों को अब अपने किए पर पश्तावा होने लगा है। ब्रिटेन में भी आज मुस्लिम समाज की आबादी बहुत बढ़ गई है एवं यहां का ईसाई समाज अपने आप को असुरक्षित महसूस करने लगा है क्योंकि मुस्लिम समाज द्वारा ईसाई समाज पर कई प्रकार के आक्रमण किया जाना आम बात हो गई है। ब्रिटेन के कई शहरों में तो मेयर आदि जैसे उच्च प्रशासनिक अधिकारियों के पदों पर भी मुस्लिम समाज के नागरिक ही चुने गए है अतः इन नगरों में सत्ता की चाबी ही अब मुस्लिम समाज के नागरिकों के हाथों में है, जिसे ईसाई समाज के नागरिक बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। इसी प्रकार, इजराईल (यहूदी समुदाय) एवं हम्मास (मुस्लिम समुदाय) के बीच युद्ध लम्बे समय से चल रहा है। ईरान (शिया समुदाय) - सऊदी अरब (सुन्नी समुदाय) के आपस में रिश्ते अच्छे नहीं है। पाकिस्तान में तो अहमदिया समुदाय एवं बोहरा समुदाय को मुस्लिम ही नहीं माना जाता है एवं इनको गैर मुस्लिम मानकर इन पर सुन्नी समुदाय द्वारा खुलकर अत्याचार किए जाते हैं। कुल मिलाकर, मुस्लिम समाज न केवल अन्य समाज के नागरिकों (यहूदी, ईसाई, हिंदू आदि) के साथ लड़ता आया है बल्कि इस्लाम के विभिन्न फिर्कों के बीच भी इनकी आपसी लड़ाई होती रही है।

इसके ठीक विपरीत, सनातन हिंदू संस्कृति का अनुपालन करते हुए कई भारतीय मूल के नागरिक भी अन्य देशों में रह रहे हैं एवं लम्बे समय से स्थानीय स्तर पर ईसाई समाज एवं अन्य धर्मों के अनुयायियों के साथ मिल जुलकर रहते आए हैं। इन देशों में भारतीय मूल के नागरिकों एवं स्थानीय स्तर पर अन्य धर्मों के अनुयायियों के बीच कभी भी बड़े स्तर पर आक्रोश उत्पन्न होता दिखाई नहीं दिया है, क्योंकि सनातन हिंदू संस्कृति में "वसुधैव कुटुम्बकम" एवं "सर्वे भवंतु सुखिनः" का भाव हिंदू नागरिकों में बचपन से ही भरा जाता है।

इसी प्रकार के भाव का संचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी पिछले 99 वर्षों से अपने स्वयंसेवकों में जगाता आया है। संघ चाहता है कि संसार में सद्गुणों का बोलबाला हो। 27 सितम्बर 1933 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक पूजनीय डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार, शस्त्र पूजा समारोह में अपने उदबोधन में कहते हैं कि संघ एक हिंदू संगठन है। संसार के सभी धर्मों में हिंदू धर्म ही एकमात्र ऐसा धर्म है, जिसका मुख्य गुण सद्गुण है और जो आत्मवत् भूतेषु (सभी प्राणियों में अपने को देखना) की भावना से सभी जीवों के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करना सिखाता है। यह धर्म संसार में व्याप्त हिंसा और अन्याय को स्वीकार नहीं करता। इसलिए स्वाभाविक है कि प्रत्येक हिंदू ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाना चाहता है। लेकिन केवल उपदेश देने से संसार का स्वभाव नहीं बदलेगा। जब संसार को लगेगा कि हिंदू समाज सुसंगठित और सशक्त हो गया है, तो हमारे प्रति जो अनादर का भाव सर्वत्र दिखाई देता है, वह समाप्त हो जाएगा और संसार हमारी बात सुनेगा। हिंदू धर्म अनादि काल से यही करता आ रहा है और ऐसे पवित्र धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए ही संघ की शुरुआत हुई है।" आजकल हिंदू समाज बहुत अव्यवस्थित हो गया है। संघ का एकमात्र उद्देश्य हिंदू समाज को इस तरह संगठित करना है कि हिंदू, हिंदुस्तान में गर्वित हिंदू के रूप में खड़े हो सकें और दुनिया को यह विश्वास दिला सकें कि हिंदू कोई ऐसी जाति नहीं है जो मरणासन्न अवस्था में हो। संघ चाहता है कि संसार में सद्गुणों का बोलबाला हो। संघ का लक्ष्य मानव जाति में व्याप्त राक्षसी प्रवृत्ति को दूर करना और उसे मानवता सिखाना है। संघ का गठन किसी से घृणा करने या उसे नष्ट करने के लिए नहीं हुआ है।"

हाल ही में जारी की गई प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की रिपोर्ट में 'धार्मिक अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी का देशभर में विश्लेषण' नामक विषय के माध्यम से बताया गया है कि बहुसंख्यक हिंदुओं की आबादी 1950 और 2015 के बीच 7.82% घट गई है। जबकि मुस्लिमों की आबादी में 43.15% की वृद्धि हुई है। मुस्लिमों की 1950 में 9.84% रही आबादी 14.09% पर पहुंच गई है। ईसाई धर्म के लोगों की आबादी की हिस्सेदारी 2.24% से बढ़कर 2.36% हुई है। ठीक ऐसे ही सिख समुदाय की आबादी 1.24% से बढ़कर 1.85% हो गई है। भारत में सद्गुणों से ओतप्रोत हिंदू नागरिकों की जनसंख्या यदि इस प्रकार घटती रही तो यह भारत के साथ पूरे विश्व के लिए भी अच्छा संकेत नहीं है क्योंकि अल्पसंख्यक के नाम पर मुस्लिम आबादी (जो कि अपने धर्म के प्रति एक कट्टर कौम मानी जाती है तथा अन्य धर्मों के लोगों के प्रति बिलकुल सहशुण नहीं है और वक्त आने पर अन्य समाज के नागरिकों का कत्लेआम करने में भी हिचकिचाते नहीं है) में बेतहाशा वृद्धि होना, पूरे विश्व के लिए एक अच्छा संकेत नहीं माना जा सकता है।

यह बात ध्यान रखने वाली है कि ईरान कभी आर्यों का अर्थात पारसियों का देश था। इराक, सऊदी अरब ,पश्चिम एशिया के समस्त मुस्लिम देश 1400 वर्ष पूर्व भारतीय संस्कृति और सभ्यता को मानने वाले देश थे। तलवार के बल पर 57 देश इस्लाम को स्वीकार कर चुके हैं इनमें से कोई भी ऐसा देश नहीं है जो 1400 वर्ष पहले से अर्थात सनातन की भांति सृष्टि के प्रारंभ से मुस्लिम देश था। 1398 ईसवी में ईरान भारत से अलग हुआ, 1739 में नादिरशाह ने अफगानिस्तान को अपने लिए एक अलग रियासत के रूप में प्राप्त कर लिया, बाद में 1876 में यह एक स्वतंत्र देश के रूप में अस्तित्व में आ गया,1937 में म्यांमार बर्मा अलग हुआ, 1911 में श्रीलंका अलग हुआ और 1904 में नेपाल अलग हुआ। सांप्रदायिक आधार पर देश विभाजन का यह सिलसिला यहीं नहीं रुका इसके पश्चात 1947 में पश्चिमी एवं पूर्वी पाकिस्तान देश बना। पूर्वी पाकिस्तान आज बांग्लादेश के रूप में मानचित्र पर उपलब्ध है।

आज एक बार पुनः भारत के भीतर जहां-जहां इस्लाम को मानने वाले लोगों की संख्या बहुलता को प्राप्त हो गई है, वहां वहां पर अनेक प्रकार की सामाजिक विसंगतियां, दमन और शोषण के नए-नए स्वरूप देखे जा रहे हैं। केरल, कश्मीर, पूर्वोत्तर भारत, बंगाल जहां जहां उनकी संख्या बहुलता में है, वहां -वहां दूसरे धर्म और जाति के लोग परेशान हैं। उपस्थित तथ्यों से सत्य को समझना चाहिए। इन आंकड़ों के आलोक में हमें समझना चाहिए कि हमारी बहू, बेटियां, महिलाओं की इज्जत कब तक सुरक्षित रह सकती है? निश्चित रूप से तब तक जब तक कि भारतवर्ष सनातनी हिंदुओं के हाथ में है। हमें इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए कि अब हम सांप्रदायिक आधार पर देश का पुनः विभाजन नहीं होने दें। नोवाखाली जैसे नरसंहारों की पुनरावृत्ति अब हमारे देश में नहीं होनी चाहिए। भारत-पाकिस्तान के विभाजन के समय जिस प्रकार लाखों करोड़ों लोगों को घर से बेघर होना पड़ा था, उस इतिहास को अब दोहराया नहीं जाना चाहिए। भारत में आंतरिक स्थिति ठीक नजर नहीं आती है परंतु विश्व के कई अन्य देशों में सनातन संस्कृति को तेजी से अपनाया जा रहा है, तभी तो कहा जा रहा है कि विश्व में आज कई समस्याओं का हल केवल हिंदू सनातन संस्कृति को अपना कर ही निकाला जा सकता है।

**-प्रहलाद सबनानी**

# पुराने कानूनों पर पुनर्विचार करेगी नई संसद

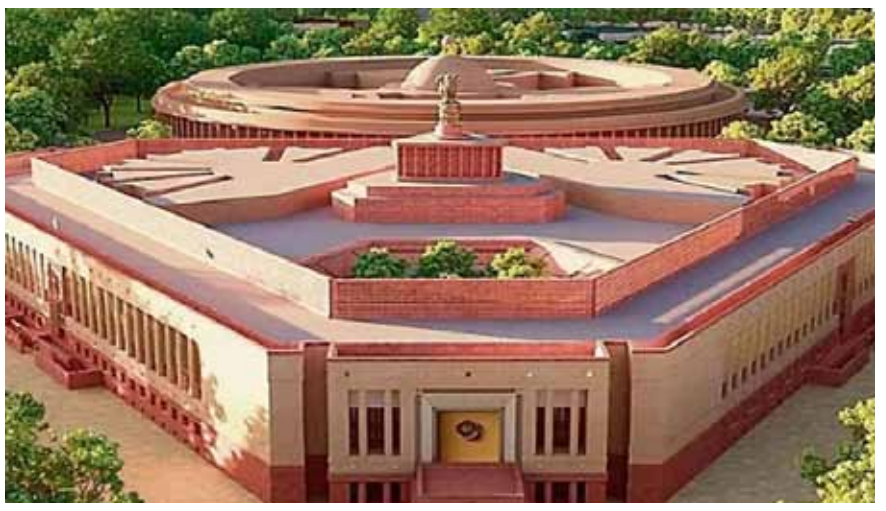

2024 में नई संसद का गठन होने जा रहा है। इस बार संसद में भाजपा को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। सही मायनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जो तीसरी सरकार बनी है वही वास्तविक एनडीए की सरकार है। एनडीए की वर्तमान सरकार में पिछले 10 वर्षों में संसद द्वारा जो कानून पास किए गए हैं उन पर पुनर्विचार किए जाने की संभावनाएं बलवती हो गई हैं। पिछले 10 सालों में संसद में विपक्ष बहुत कमजोर था। निश्चित संख्या में विपक्षी राजनीतिक पार्टी का बहुमत नहीं होने से विपक्षी दल के नेता का पद भी विपक्ष के पास नहीं था। बहुमत के आधार पर संसद में बिना चर्चा के बिल पास कराने के दर्जनों उदाहरण हैं। संसद में बिल पेस करने के पहले निर्धारित प्रक्रिया का पालन भी नहीं किया गया। आनन-फानन में बहुमत के आधार पर लोकसभा से बिल पारित कर दिए गए, जिसके कारण संविधान में प्रदत्त नागरिकों की समानता और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों का ध्यान भी नहीं रखा गया। कानून बनाते समय सरकार के पास असीमित अधिकार हों इसको ध्यान में रखते हुए कानून बनाए गए। अब नई संसद गठित होने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में भारतीय जनता पार्टी के पास सदन में स्पष्ट बहुमत नहीं है। सहयोगी दलों के साथ मिलकर सरकार चलाना पड़ेगी। वहीं इस बार संसद में विपक्ष पहले की तुलना में बहुत मजबूत है और एकजुट है। ऐसी स्थिति में संभावना व्यक्त की जा रही है कि जो भी कानून पिछले 10 वर्षों में पारित किए गए हैं उन पर हर हालत में पुनर्विचार करना इस सरकार की मजबूरी होगी। सभी नागरिकों के लिए न्याय, समानता और स्वतंत्रता संविधान के मौलिक अधिकारों के तहत हो। इसके लिए नागरिकता संशोधन अधिनियम को लेकर भारी विवाद है। भारतीय दंड संहिता (अपराधिक कानून विधेयक) के कई प्रावधान इस तरह से किए गए हैं जिसका देश में भारी विरोध हो रहा है। मैरिटल रेप राज ध्रुव के नए प्रावधान पुलिस को असीमित अधिकार न्यायपालिका के अधिकारों में कटौती, मोटर व्हीकल एक्ट इत्यादि के कई ऐसे प्रावधान हैं जिनके परिणाम पर चिंता किए बिना इसे लागू किया जाना है। भारतीय दंड संहिता के जो तीन नए कानून हैं यह 1 जुलाई 2024 से लागू होने हैं, जिसके कारण स्पष्ट है कि यह मामला संसद के पहले सत्र में ही पुनर्विचार की मांग को लेकर विपक्ष अपना दबाव बनाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम 2023 में हंगामे के बीच पारित किया गया। इसमें सुप्रीम कोर्ट ने जो दिशा निर्देश दिए थे, उनका पालन नहीं किया गया। जिसका असर 2024 के लोकसभा चुनाव में स्पष्ट रूप से देखने को मिला है। ऐसी स्थिति में इस कानून में भी संशोधन को लेकर विपक्ष दबाव बनाएगा। केंद्र सरकार और राज्यों के बीच खदान एवं खनिज अधिनियम को लेकर भी पिछले कई वर्षों से विवाद चल रहा है। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में संवैधानिक पीठ कर रही है। इस नवीन कानून के द्वारा केंद्र ने अपनी शक्तियों को काफी बढ़ा लिया है और राज्यों की शक्तियों को कम कर दिया है। ऐसी स्थिति में इस पर भी भारी दबाव सरकार पर पड़ना तय माना जा रहा है। इसी तरह ट्रांसजेंडर व्यक्ति अधिनियम 2019 के प्रावधान भी भेदभाव पूर्ण होने के कारण इस पर भी विपक्ष द्वारा पुनर्विचार करने की और संशोधन करने की मांग इसी संसद सत्र में की जा सकती है। अपने तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को कई मामलों में अग्नि परीक्षा से गुजरना पड़ेगा वहीं पिछले 10 सालों में ईडी, सीबीआई और आयकर एवं अन्य जांच एजेंसी के माध्यम से विपक्ष को समाप्त करने की कोशिश की गई है, उसको लेकर भी विपक्ष एकजुट हुआ है। एकजुट विपक्ष से लड़ना सरकार के लिए आसान नहीं होगा। पिछले 10 सालों में सरकार ने विपक्ष के लिए जो गड्ढे खोदे थे विशेष रूप से भ्रष्टाचार के मामलों में विपक्ष को जेल के सीखचों तक पहुंचाया गया था। विपक्ष को चुनाव लड़ने से रोकने की कोशिश की गई थी। आर्थिक एवं आपराधिक मामलों में दोषी बनाकर विपक्ष को खत्म करने के लिए जो हथकंडे अपनाए गए थे, विपक्ष अब उन्हीं हथकंडों को सरकार के खिलाफ इस्तेमाल करने के लिए एकजुट हुआ है। निश्चित रूप से नई संसद में पुराने कानून पर विचार होगा। उसमें सरकार को संशोधन भी करने होंगे। कई याचिकाएं इन सारे मामलों की सुप्रीम कोर्ट में लगी हुई हैं। निश्चित रूप से जब संसद में दबाव बढ़ेगा तो सुप्रीम कोर्ट में लंबित याचिकाओं पर सुनवाई होगी और फैसला आएगा। इन सारी स्थितियों को देखते हुए नई संसद का पहला सत्र काफी महत्वपूर्ण होने जा रहा है। इसमें सरकार को बजट भी पेश करना है। जुलाई के पहले बजट को पास कराना है। सरकार ने मनी बिल के रूप में बहुत सारे बिल पास कराकर सांसदों और संसद के अधिकार भी सरकार के नियंत्रण में आ जाने से सांसदों और संसद के अधिकार पहले की तुलना में बहुत कम हो गए हैं। अब विपक्ष के मजबूत हो जाने के कारण निश्चित रूप से आशा की जा सकती है कि बहुमत के आधार पर जो बिल और कानून पास कराए जा रहे थे उनके स्थान पर अब विवेक पूर्वक पक्ष और विपक्ष विभिन्न मसलों पर चर्चा करने के बाद ही आम सहमति से कानूनो के संशोधन पर पुनर्विचार करेगी। विपक्ष जिस तरह से एकजुट है, जिस आक्रामक ढंग से वह अपनी बात सदन के बाहर रख पा रहा है, उससे ज्यादा प्रभावी और आक्रामक ढंग से संसद के अंदर वह अपनी बात रखेगा। इस तरह की आशा की जा रही है।

**-सनत जैन**

## आज का पंचांग

22 जून 2024 को ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि प्रातः 06:37 तक है तदोपरांत आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि है। इस तिथि पर मूल नक्षत्र और शुक्ल योग का संयोग रहेगा।

## आज का राशिफल

**मेष :** कार्य क्षेत्र में मनचाहा कार्य करने को मिलेगा. शासन सत्ता में बैठे किसी विशिष्ट व्यक्ति से निकटता बढ़ेगी. विदेश सेवा से जुड़े लोगों को विशेष सम्मान एवं अधिकार प्राप्त होंगे. व्यापारिक स्थल पर कोई मांगलिक कार्यक्रम संपन्न होने के योग हैं. नौकरी में पदोन्नति के साथ वाहन,नौकर, चाकर का सुख बढ़ेगा.

**वृषभ :** आज सरकारी अधिकारियों का भय लगता रहेगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य में अकारण विलंब होने से मन खिन्न रहेगा. व्यापार में परिवर्तन का निर्णय ले सकते हैं. राजनीति में अनुकूल वातावरण न होने से असहज महसूस करेंगे. रोजगार की तलाश अधूरी ही रह जाएगी.

**मिथुन :** शासन सत्ता में बैठे उच्च सदस्य अधिकारी से भरपूर सहयोग मिलेगा. राज्य स्तरीय सम्मान अथवा पद मिल सकता है. राजनीति में पद एवं प्रतिष्ठा बढ़ेगी. बेरोजगार लोगों को रोजगार मिलेगा. व्यापार में किए गए परिवर्तन उन्नति कारक एवं लाभकारी सिद्ध होंगे.

**कर्क :** सुख सुविधा में वृद्धि होगी. मनपसंद स्वादिष्ट भोजन प्राप्त होगा. माता से धन एवं उपहार प्राप्त होंगे. आज का दिन आपके लिए उन्नति दायक रहेगी. महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी. अपने प्रत्येक कार्य को समझदारी पूर्वक करें. सामाजिक गतिविधियों में अधिक भाग लेने से आपका सामाजिक स्तर बढ़ेगा. कोई लंबी यात्रा होगी.

**सिंह :** नौकरी हेतु परीक्षा अथवा साक्षात्कार देने वाले लोगों का बिहार प्रयास अच्छा रहेगा. उनकी परीक्षा व साक्षात्कार अच्छा होगा. नए व्यापार को शुरू करने की योजना सफल होगी. आज का दिन लाभदायक एवं उन्नति प्रदायक रहेगा. परिवार में भौतिक सुख साधनों की वृद्धि होगी.

**कन्या :** नौकरी व्यवसाय में सुधार होगा. नौकरी की तलाश में लगे लोगों को सफलता मिलेगी. व्यापार में जीवनसाथी के सहयोग से उन्नति के साथ लाभ होगा. किसी व्यापारिक योजना को शुरू कर सकते हैं. अथवा आप ऐसी किसी योजना का हिस्सा बनेंगे. बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत लोगों को अपने बॉस की निकटता का लाभ मिलेगा.

**तुला :** दिन की शुरुआत भागदौड़ के साथ होगी. किसी अनहोनी की आशंका बनी रहेगी. अध्ययन में विभिन्न बाधाओं से मन खिन्न रहेगा. रोजगार के लिए बहुत भटकने के बाद में निराशा हाथ लगेगी. व्यापार मंदा रहेगा. कार्य क्षेत्र में राजनीति में सफलता मिलने के योग हैं. उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु घर से दूर जाना पड़ सकता है.

**वृश्चिक :** दिन की शुरुआत किसी धमाकेदार समाचार के साथ होगी. कोई शुभ समाचार मिल सकता है. किसी व्यापारिक कार्य से यात्रा पर जाना पड़ सकता है. कार्य क्षेत्र में आप अपनी नीति के अनुसार कार्य करें. किसी के कहे सुनने में न आए. व्यापार में आपके प्रतिस्पर्धा रखने वाला व्यक्ति आपको हानि पहुंचाने के लिए योजनाएं बनाएगा.

**धनु :** दिन शुभ लाभ एवं उन्नति प्रदायक रहेगा. जब तक कार्य पूर्ण न हो जाए तब तक किसी से उसका खुलासा न करें. अन्यथा कार्य बिगड़ भी सकता है. कार्यक्षेत्र में कुछ दबाव बढ़ सकता है. नौकरी परिवर्तन की ओर प्रवृत्ति बढ़ेगी.

**मकर :** संतान सुख में वृद्धि होगी. किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त होगी. विद्यार्थियों की अध्ययन की बाधा दूर होगी. किसी व्यापारिक मित्र से सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा. प्रिंटिंग के कार्य में लगे लोगों को महत्वपूर्ण सफलता एवं सम्मान मिलेगा. गायन के क्षेत्र में सक्रियता बढ़ेगी.

**कुंभ :** कार्य क्षेत्र में अपनी वाणी एवं क्रोध पर संयम रखें. धन संपत्ति को लेकर परिवार में वाद विवाद झगड़े का रूप ले सकता है. आप अपनी सूझबूझ से पारिवारिक विवाद को शांत करने का प्रयास करें. नौकरी में आपको नवीन दायित्व मिलने के संकेत मिल रहे हैं.

**मीन :** रुके हुए काम बनने की संभावना है. अपनी योग्यता से अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने में सफल होंगे. कार्य क्षेत्र के संबंध में शीघ्रता में कोई बड़ा निर्णय न ले. आध्यात्मिक क्षेत्र में कार्यरत लोगों को उन्नति के साथ लाभ प्राप्त होगा.

# हिन्दू धर्म में क्यों की जाती है वृक्ष की पूजा

**एकेश्वरवादी धर्म के लोगों को लिए यह बात बड़ी अजीब लगती है कि हिन्दू धर्म के लोग वृक्ष की पूजा क्यों करते हैं जबकि वह कोई ईश्वर या भगवान नहीं है? दरअसल, हिन्दुइज्म यह मानता है कि इस ब्रह्मांड में सभी कुछ परमात्मा का ही अंश है और सभी एक दूसरे से आंतरिक रूप से जुड़े हुए हैं।**

## पीपल और बरगद

वृक्ष की पूजा या प्रकृति की पूजा करने के पीछे साइंटिफिक रीजन भी है। जैसे कि हिन्दू धर्म में बरगद और पीपल के पेड़ की पूजा का प्रचलन है। हम सभी जानते हैं कि यह वृक्ष 24 घंटे ऑक्सीजन देते हैं। अथर्ववेद के उपवेद आयुर्वेद में पीपल और बरगद के औषधीय गुणों का अनेक असाध्य रोगों में उपयोग वर्णित है। औषधीय गुणों के कारण ही इन्हें 'कल्पवृक्ष' की संज्ञा दी गई है। यानी की हमारे ऋषि मुनि कहीं न कहीं इस वृक्ष के महत्व को समझते थे। अक्सर आपने देखा होगा की पीपल और वट वृक्ष की परिक्रमा का विधान है। इनकी पूजा के भी कई कारण है। स्कन्द पुराण में वर्णित पीपल के वृक्ष में सभी देवताओं का वास है। पीपल की छाया में ऑक्सीजन से भरपूर आरोग्यवर्धक वातावरण निर्मित होता है। इस वातावरण से वात, पित्त और कफ का शमन-नियमन होता है तथा तीनों स्थितियों का संतुलन भी बना रहता है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इसके कई पुरातात्विक प्रमाण भी है। अश्वत्थोपनयन व्रत के संदर्भ में महर्षि शौनक कहते हैं कि मंगल मुहूर्त में पीपल वृक्ष की नित्य तीन बार परिक्रमा करने और जल चढ़ाने पर दरिद्रता, दु:ख और दुर्भाग्य का विनाश होता है। पीपल के दर्शन-पूजन से दीर्घायु तथा समृद्धि प्राप्त होती है। अश्वत्थ व्रत अनुष्ठान से कन्या अखण्ड सौभाग्य पाती है।

## तुलसी और आंवला

इसी तरह यदि हम औषधीय पौधों की बात करें तो तुलसी और आंवला की भी पूजा होती है। कोविड 19 के समय जब विटमिन सी को अच्छे से लेने की सलाह दी गई तब हम सब ने आमला का सेवन और शुरु कर दिया था। इसी तरह जब इम्यूनिटी को बूस्ट करने की बात की गई तो सभी ने तुलसी का रस पीना प्रारंभ कर दिया था। यह दोनों ही तरह के पौधे अत्यंत ही औषधीय गुणों से संपन्न है। यह कई तरह के रोगों को खत्म करने की क्षमता रखते हैं। आयुर्वेद में आमला को सूपरफूड कहा गया है और तुलसी को अमृत माना है।

# इस तरह से की जानी चाहिए लड्डू गोपाल की सेवा वरना मिलते हैं बुरे परिणाम

**लगभग सभी घरों में लड्डू गोपाल की सेवा की जाती है। शास्त्रों में कहा गया है कि लड्डू गोपाल की सेवा करने से शुभ फल प्राप्त होते हैं। इसलिए घर में लड्डू गोपाल की मूर्ति रखनी चाहिए, साथ ही उनकी सेवा एक बच्चे की तरह करनी चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, अगर आपने भी अपने घर में लड्डू गोपाल को विराजित किया है, तो आपको कुछ नियमों का पालन जरूर करना चाहिए। पूजा घर में जहां आपने लड्डू गोपाल को बैठाया हुआ है, वहां कुछ चीजें नहीं रखना चाहिए। आइए, जानते हैं कि वे चीजें कौन-सी हैं।**

## खंडित मूर्तियां न रखें

वास्तु के अनुसार, घर में टूटी हुई मूर्तियां रखना अशुभ माना जाता है। जिस स्थान पर लड्डू गोपाल विराजित हैं, उस स्थान पर खंडित मूर्तियां नहीं रखनी चाहिए। ऐसी मूर्तियों के घर में होने से नकारात्मक ऊर्जा आती है। ऐसा करने से लड्डू गोपाल की सेना की कृपा भी आपको नहीं मिलती है।

## गंदे कपड़े न रखें

शास्त्रों में यह भी बताया गया है कि जिस कमरे के पूजा घर में लड्डू गोपाल विराजित हैं, उस कमरे में गंदे वस्त्र नहीं होने चाहिए। ऐसा करने नकारात्मक ऊर्जा आकर्षित होती है। घर में दुर्भाग्य प्रवेश करता है।

## इतनी देर तक रखें भोग

अगर आप घर पर भी लड्डू गोपाल को भोग लगाते हैं, तो इस बात का विशेष ध्यान रखें कि 10 मिनट के अंदर ही भोग को वहां से हटा लें। ऐसा माना जाता है कि भोग लगाने के बाद वह झूठा हो जाता है। ऐसे में जूठी थाली लंबे समय तक वहां न रखें।

## सजावटी वस्तुएं

घर के जिस कमरे में लड्डू गोपाल विराजित हैं, उसमें कभी भी सजावटी वस्तुएं न रखनी चाहिए। लड्डू गोपाल के कमरे को हमेशा साफ-सुथरा रखना चाहिए।

## न रखें कोई पत्थर या रत्न

कई लोग अपने घर में कोई न कोई चमत्कारी पत्थर या राशि रत्न आदि रखते हैं। लेकिन इन चीजों को लड्डू गोपाल के आसपास रखने से बचना चाहिए। जिस कमरे में लड्डू गोपाल स्वयं बैठते हैं, उस कमरे का वातावरण सुखद और सकारात्मकता हो जाता है।

# घर के मंदिर में नहीं रखनी चाहिए शनिदेव की मूर्ति

हर घर के मंदिर में अलग-अलग देवी-देवताओं की मूर्तियां रखी होती हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र में माना जाता है कि घर के मंदिर में कुछ देवी-देवताओं की मूर्तियां या तस्वीरें नहीं रखनी चाहिए। इन मूर्तियों के रखे होने से नकारात्मक परिणाम भी हो सकते हैं। आइए, जानते हैं कि घर के मंदिर में किन देवी-देवताओं की मूर्तियां या तस्वीरें नहीं रखना चाहिए।

## शनिदेव की मूर्ति

हिंदू धर्म में शनिदेव को न्याय का देवता माना जाता है। शनिदेव की पूजा की जाती है, लेकिन घर के मंदिर में उनकी तस्वीर या मूर्ति रखना वर्जित होता है। उन्हें एक उग्र देव माना जाता है। इसलिए शनिदेव की पूजा घर की बजाय किसी मंदिर में जाकर करना शुभ मना होता है।

## मां काली की मूर्ति

शनिदेव की तरह ही घर के मंदिर में मां काली की मूर्ति और तस्वीर रखना भी अच्छा नहीं माना जाता है। इन्हें भी उग्र देवताओं में शामिल किया जाता है। इनकी पूजा घर में नहीं करनी चाहिए। मां काली की पूजा के नियम भी बहुत कठिन हैं और घर पर ऐसा करना उचित नहीं माना जाता है।

## नटराज की मूर्ति

कई लोगों के घर में नटराज की मूर्ति रखी होती है, लेकिन नटराज असल में भगवान शिव का रौद्र रूप माने जाते हैं। ऐसे में घर के मंदिर में नटराज की मूर्ति नहीं रखनी चाहिए। ऐसा करने से घर में कलह बनी रहती है।

## भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की मूर्ति

देवी-देवताओं की मूर्तियां भी विभिन्न मुद्राओं में पाई जाती हैं। लेकिन ध्यान रखें कि घर में हमेशा भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की बैठी हुई मूर्ति ही लानी चाहिए। मंदिर में देवी-देवताओं की मूर्तियां खड़ी या किसी अन्य स्थिति में रखना शुभ नहीं माना जाता है।

# शिव की शक्ति का प्रतीक माना जाता है त्रिशूल

भगवान शिव की पूजा करने से सभी प्रकार की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इतना ही नहीं, विशेष लाभ भी प्राप्त होते हैं। विधि-विधान और सच्चे मन से शिव जी पूजा की जाए, तो समस्याओं से मुक्ति मिलती है। कई बार मन में सवाल आता है कि भगवान शिव के साथ त्रिशूल क्यों रखा जाता है और त्रिशूल की उत्पत्ति कैसे हुई थी, आज हम आपको इसी बारे में बताने जा रहे हैं।

ऐसे हुई थी त्रिशूल की उत्पत्ति

कहा जाता है कि त्रिशूल भगवान शिव की शक्ति का प्रतीक होता है। बुरी शक्तियों के विनाशक के रूप में त्रिशूल हमेशा शिव जी से जुड़ा रहता है। समुद्र मंथन के दौरान शिव जी को भगवान विष्णु से त्रिशूल उपहार के रूप में मिला था। वहीं, कुछ पौराणिक कथा में यह भी कहा गया है कि शिव जी को देवी दुर्गा से त्रिशूल प्राप्त हुआ था। उन्होंने इसका इस्तेमाल राक्षस महिषासुर के खिलाफ लड़ाई में किया था। शिव पुराण में कहा गया है कि संपूर्ण ब्रह्मांड की शुरुआत में भगवान शिव ब्रह्मनाद से प्रकट हुए थे। उनके साथ तीन गुण भी प्रकट हुए, रज, तम और सत गुण, इन तीन गुणों से मिलकर शिव शूल का निर्माण हुआ, जिससे त्रिशूल बना।

प्रचलित कथाओं के अनुसार, एक बार मंगल ग्रह ने भगवान शिव की घोर तपस्या की, जिससे भोलेनाथ अत्यंत प्रसन्न हुए। उन्होंने भगवान शिव से हमेशा उनके साथ रहने का वरदान मांगा, उन्होंने ग्रहों के चक्र से दूर रहने के लिए कहा। भगवान शिव ने कहा कि वे ग्रहों के चक्र से दूर हैं, ऐसे में किसी भी ग्रह को अपने साथ नहीं रख सकते। मना करने के बाद, मंगल ने शिव जी के पास रहने की इच्छा व्यक्त की और कहा कि वे अपने किसी प्रतीक के साथ मेरे किसी प्रतीक को जोड़ लें। भगवान शंकर औघड़दानी कहे जाते हैं, इसीलिए उन्होंने अपने त्रिशूल पर हमेशा के लिए लाल रंग का कपड़ा बांध लिया था। तभी से यह सनातन धर्म की एक महत्वपूर्ण प्रथा बन गई, जिसका पालन आज भी किया जाता है।

# इन सजावटी वस्तुओं या कलाकृतियों को घर में रखने से होगा नुकसान

**आजकल घर में भारतीय संस्कृति के अनुसार परंपरागत सजावट नहीं की जाती है। पाश्चात्य संस्कृति के चलते कई तरह की नकली सजावट का भी प्रचलन बढ़ गया है। ऐसे में जानिए कि वास्तुशास्त्र के अनुसार कौन सी सजावटी वस्तुएं या कलाकृतियां नुकसान पहुंचा सकती है।**

## चित्र

घर में ताजमहल, जंगली वह हिंसक जानवर, रोते हुए बच्चे, नंगे बच्चे, युद्ध के दृश्य, कटे पेड़ या ठूंठ आदि के चित्र न लगाएं। इसके अलावा अभिनेता या अभिनेत्रियों के चित्र, बाइक, कार, मॉडल या अपने गुरु का बड़ा-सा चित्र भी न लगाएं।

## पुरानी टूटी वस्तुएं

कई लोग पुरानी या फालतू चीजों से भी अपना घर सजाते हैं, जो कि गलत है। ऐसी वस्तुएं घर में नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देती हैं। वास्तु के अनुसार जब घर में नकारात्मक ऊर्जा में बढ़ोतरी होती है तो इसका सीधा असर परिवार की आर्थिक स्थिति पर भी पड़ता है। इसके साथ ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं।

## नकारात्मक पेंटिंग

बहुत से घरों में देखा गया है कि जहां ऐसी पेंटिंग लगी होती है जिसमें क्या है यह कोई नहीं जानता या उसमें खंडहर, सूखे ठूंठ, मानवरहित उजाड़ शहर, बिखरा हुआ घर या सूखा बंजर पहाड़ नजर आता है। ऐसी पेंटिंग नकारात्मकता फैलाती है।

## कलाकृतियां

आजकल कलाकृतियों के नाम पर कुछ ऐसी वस्तुएं घर में होती है जिसमें सूखे ठूंठ, प्लास्टिक के नकली पेड़ या कोई ऐसी कलाकृति जिसे अश्लीलता झलकी हो। यह सभी मृतप्राय: सजावटी कलाकृतियां जो मानी तो जाती हैं कलात्मक लेकिन वास्तु शास्त्र अनुसार ये सभी नकारात्मक ऊर्जा पैदा करती हैं।

## कांटेदार पौधे

कुछ लोग घर को कलात्मक लुक देने के लिए नकली या कांटेदार पौधे लगा लेते हैं अत: घर में कांटेदार पेड़-पौधे न लगाएं, इससे पारिवारिक संबंधों में भी कांटों-की-सी चुभन पैदा होने लगती है।

# टी20 विश्व कप : सुपर आठ में आज बांग्लादेश पर जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

**नॉर्थ साउंड**। भारतीय टीम का मुकाबला शनिवार को आईसीसी टी20 विश्व कप क्रिकेट के सुपर आठ चरण के दूसरे मैच में बांग्लादेश से होगा। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में भी जीत के सिलसिले को बनाये रखना रहेगा। भारतीय टीम ने सुपर आठ के पहले मैच में अफगानिस्तान को आसानी से हराया है। टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज लय में है जिसका लाभ उसे मिलेगा। अफगानिस्तान के खिलाफ सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या ने अच्छी बल्लेबाजी की थी जिससे वह यहां भी जारी रखना चाहेंगे। भारतीय टीम हालांकि इसके बाद भी बांग्लादेश को हल्के में नहीं लेगी। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली अब तक टीम को अच्छी शुरुआत नहीं दे पाये हैं और ऐसे में उनका लक्ष्य इस मैच में अच्छी साझेदारी बनाना रहेगा। वहीं बाएं हाथ के बल्लेबाज शिवम दुबे भी अब तक इस सीरीज में रन नहीं बना पाये हैं ऐसे में उनपर भी तेजी से रन

बनाने का दबाव रहेगा। आईपीएल वह जिस प्रकार से बड़े शॉट लगा रहे थे वैसे यहां नहीं लगा पाये हैं। उन्होंने केवल एक लीग मैच में अमेरिका के खिलाफ 31 रन बनाए अगर वह इस मैच में विफल रहे तो अगले मैच में उन्हें बाहर बैठना पड़ेगा। अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में हार्दिक का बल्लेबाजी फॉर्म में लौटना भारतीय टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। वहीं गेंदबाजी में भारतीय टीम का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है। स्पिनर कुलदीप यादव ने अफगानिस्तान के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की थी। ऐसे में उन्हें इस मैच में भी बनाये रखा जाएगा। मैच के बाद अक्षर पटेल ने कहा था कि बाएं हाथ के तीन स्पिनरों को उतारने से टीम को दबाव बनाने का अवसर है। एक कलाई के स्पिनर और दो ऊंगली के स्पिनर होने से हमे लाभ हुआ है। इन तीनों का संयोजन जबर्दस्त रहा है। हमारे पास अच्छी टीम है और हमारा तालमेल बेहतरीन है। हम आपस में बात करते हैं कि देखते हैं कि जीत के लिए किस चीज की जरुरत है। भारतीय टीम इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर सेमीफाइनल के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना चाहेगी। वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश के बल्लेबाजों का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है जिससे वह दबाव में रहेगी।

सुपर आठ में उसे अपने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया से भी हार का सामना करना पड़ा था। अब वह अपनी उम्मीदें बनाए रखने के लिये हर हालत में जीत हासिल करने के इरादे से उतरेगी। उसके पास पावर हिटर्स की कमी है। सलामी बल्लेबाजों लिटन दास और तंजीद खान का प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुसार नहीं है। कप्तान नजमुल हुसैन शांतो भी टीम के शीर्ष क्रम की असफलता से परेशान हैं। ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद उन्होंने कहा था कि शुरुआती बल्लेबाजों को रन बनाने होंगे। इसके अलावा उसके गेंदबाज भी लय में नहीं है जिससे भी टीम की मुश्किलें बढ़ीं हैं। ऐसे में कुल मिलाकर देखें तो इस मैच में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है।

**दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह इस प्रकार है :**

**भारत** : रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

**बांग्लादेश** : नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), तस्कीन अहमद, लिटन दास, सौम्या सरकार, तंजीद हसन तमीम, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदोय, महमूद उल्लाह रियाद, जैकर अली अनिक, तनवीर इस्लाम, शाक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरीफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब।

# सोशल मीडिया से गोपनीयता हुई प्रभावित : ब्रेट ली

**क्राइस्टचर्च**। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा कि सोशल मीडिया के आने के बाद मोबाइल कैमरा सबसे अच्छी और सबसे खराब चीज बन गयी है। ली ने कहा कि साल 2000 के दशक की शुरुआत में जब फोन आए थे, लोग आपके साथ एक फोटो लेते थे। एक ऑटोग्राफ और एक तस्वीर होती थी। साल 2015 और 2020 के मध्य में अब क्या होता है कि खिलाड़ी हमेशा शो में रहते हैं। कोई भी जो किसी लीग में खेल रहे हैं, वे हमेशा शो में रहते हैं, वे डिनर के लिए बाहर जाते हैं। ली ने कहा कि फोन कैमरा की अच्छी बात यह है कि आप अपने परिवार और दोस्तों के साथ खूबसूरत यादें कैद कर सकते हैं पर इससे हमारी गोपनीयता प्रभावित हुई है। अगर आप अपने परिवार, अपने प्रियजनों, दोस्तों के साथ डिनर कर रहे हैं अचानक ही कोई एक तस्वीर ले लेता है और यह तुरंत पूरी दुनिया में फैल जाती है। अब, आपको भी इससे निपटने

और इसे स्वीकार करने में सक्षम होना होगा। वहीं पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर माइकल बेवन ने कहा कि सोशल मीडिया युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। बेवन ने कहा कि युवा पीढ़ी सोशल मीडिया का अधिक उपयोग करती है इससे उनके करियर पर प्रभाव पड़ेगा। उन्हें यह निर्णय लेना होगा कि वे टिप्पणियां पढ़ना चाहते हैं या कितना पोस्ट करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं कल्पना कर सकता हूं कि आधुनिक समय के कुछ खिलाड़ियों के लिए यह आसान नहीं रहेगा। दूसरी ओर न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर रॉस टेलर ने टेलर ने कहा कि आजकल सोशल मीडिया के कारण सभी की नजरें खिलाड़ियों पर रहती हैं इसलिए सभी बातों का ध्यान रखना जरुरी है। टेलर सोशल मीडिया से हो रही इस निगरानी को गलत भी नहीं मानते।

# कमिंस टी20 विश्वकप में हैट्रिक लगाने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बने

**नॉर्थ साउंड**। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने बांग्लादेश के खिलाफ टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपरआठ मुकाबले में हैट्रिक लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। कमिंस ने इस मैच में लगातार तीन गेंदों पर विकेट लेकर बांग्लादेश की बल्लेबाजी को ढ़हा दिया। कमिंस ने तीसरे ओवर की पांचवीं गेंद पर महमूदुल्लाह को क्लीन बोल्ड कर दिया। इसके बाद अगली गेंद पर मेहदी हसन को एडम जम्पा के हाथों कैच कराया। इसके बाद अगले ही ओवर की पहली ही गेंद पर कमिंस ने तौहीद हृदय को पेवेलियन भेजकर अपनी हैट्रिक पूरी की। यह पारी का 20वां ओवर

था। कमिंस ने इस मैच में 4 ओवर में 29 रन देकर तीन विकेट लिए। यह टी20 विश्वकप इतिहास में सातवीं बार है जब किसी गेंदबाज ने इस प्रकार से हैट्रिक लगायी है। विश्वकप में पहली हैट्रिक ऑस्ट्रेलिया के ही ब्रेट ली के नाम है। ब्रेट ली ने भी ये हैट्रिक साल 2007 में बांग्लादेश के खिलाफ लगायी थी। इस प्रकार कमिंस टी20 विश्वकप में हैट्रिक लगाने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हैं। टी20 विश्व कप इतिहास में केवल पांच टीमों के गेंदबाज के नाम ही हैट्रिक हैं। इनमें से दो-दो गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड के हैं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ब्रेट ली के बाद ये कारनामा कमिंस ने किया है। जबकि आयरलैंड की ओर से कर्टिस कैम्फर और जोशुआ लिटिल ने हैट्रिक लगायी है। इसके अलावा श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा, दक्षिण अफ्रीका के कैगिसो रबाडा और यूएई के कार्तिक मयप्पन ने भी हैट्रिक लगायी है।

# अधिक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को सही नहीं मानते एम्बरोज

**ब्रिजटाउन**। वेस्टइंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज रहे कर्टली एम्बरोज ने कहा है कि आजकल जिस प्रकार काफी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला जा रहा है वह ठीक नहीं है। एम्बरोज के अनुसार इससे खेल पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा, 'अब खेल का व्यवसायीकरण हो गया है। इतना ज्यादा क्रिकेट इसी कारण खेला जा रहा है। एक श्रृंखला के बाद दूसरी श्रृंखला और इस बीच फ्रेंचाइजी क्रिकेट अलग चलता रहता है। यह रोमांचक है पर इतना ज्यादा क्रिकेट चिंता का विषय है, इससे खिलाड़ियों की फिटनेस प्रभावित हो रही है। एम्बरोज ने सीमित ओवरों की क्रिकेट भी काफी खेली है पर उनका

मानना है कि लीजैंड टेस्ट क्रिकेट से ही निकलते हैं। उन्होंने कहा, 'मैने हमेशा टेस्ट क्रिकेट को वरीयता दी है। मैने वनडे और चार दिवसीय क्रिकेट भी खेला है लेकिन मेरे लिए वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं है। टेस्ट क्रिकेट ही असली क्रिकेट है। अपने करियर के अंत में आप लीजैंड तभी कहलाएंगे जब आपने टेस्ट क्रिकेट में अच्छा किया हो। वहीं इस पूव तेज गेंदबाज ने भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि उन्हें अपने एक्शन में कोई बदलाव नहीं करना चाहिये। बुमराह के लिए ये राहत की बात है क्योंकि इससे पहले कई क्रिकेटरों का कहना था कि उन्हें अपने एक्शन को ठीक करना चाहिये क्योंकि इससे चोटिल होने का खतरा है। वहीं एम्बरोज के अनुसार कि अपने गैर पारंपरिक गेंदबाजी एक्शन में बुमराह कोई भी बदलाव करे। उनका मानना है कि हर तेज गेंदबाज को चोटिल होने का खतरा उठाना ही पड़ा है। इसमें एक्शन से कुछ फर्क नहीं पड़ता है।

## व्यापार

# मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाने के बाद लुढ़का शेयर बाजार, निवेशकों को 1.67 लाख करोड़ का घाटा

**नई दिल्ली**। घरेलू शेयर बाजार में पिछले 12 जून से लगातार जारी तेजी के सिलसिले पर आज ब्रेक लग गया। हालांकि आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने आज ऑल टाइम हाई ओपनिंग का नया रिकॉर्ड बनाया। बाजार खुलने के बाद निफ्टी खरीदारी के सपोर्ट से अभी तक के सर्वोच्च स्तर तक पहुंचने में भी सफल रहा लेकिन इसके बाद बिकवाली शुरू हो जाने की वजह से शेयर बाजार में गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.35 प्रतिशत और निफ्टी 0.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान मेटल, आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, टेलीकॉम और मीडिया सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। दूसरी ओर एनर्जी, ऑयल एंड गैस, एफएमसीजी, ऑटोमोबाइल, पीएसयू बैंक और रियल्टी सेक्टर के शेयरों पर बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.06 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज बाजार की कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में डेढ़ लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में

लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 434.07 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 435.74 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.67 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 3,987 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,784 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,086 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 117 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,293 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,028 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,265 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर बढ़त के साथ और 19 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल शेयरों में से 19 शेयर हरे निशान में और 31 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज ऑल टाइम हाई ओपनिंग का रिकॉर्ड बनाते हुए 250.55 अंक की बढ़त के साथ 77,729.48 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 329.52 अंक की मजबूती के साथ 77,808.45 अंक के स्तर तक पहुंच गया लेकिन इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये सूचकांक दिन के ऊपरी स्तर से 1,006.45 अंक टूट कर 676.93 अंक की कमजोरी के साथ 76,802 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि आखिरी 2 घंटे के कारोबार में खरीदारों ने भी मोर्चा संभाल लिया, जिसकी वजह से ये सूचकांक दिन के निचले स्तर से 400 अंक से अधिक की रिकवरी करके 269.03 अंक की गिरावट के साथ 77,209.90 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने भी आज 94.15 अंक की उछाल के साथ ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 23,661.15 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण ये सूचकांक 100.10 अंक की तेजी के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 23,667.10 अंक तक पहुंच गया लेकिन इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये सूचकांक दिन के ऊपरी स्तर से 268.90 अंक टूट कर 168.80 अंक की कमजोरी के साथ दिन के सबसे निचले स्तर 23,398.20 अंक तक लुढ़क गया। हालांकि आखिरी वक्त में हुई खरीदारी के कारण इस सूचकांक ने निचले स्तर से 100 अंक से अधिक की रिकवरी करके 65.90 अंक की गिरावट के साथ 23,501.10 अंक के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से भारती एयरटेल 2.53 प्रतिशत, एलटी माइंडट्री 1.44 प्रतिशत, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 1.18 प्रतिशत, इंफोसिस 1.14 प्रतिशत और अडाणी पोर्ट्स 1.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर अल्ट्राटेक सीमेंट 2.21 प्रतिशत, अडाणी एंटरप्राइज 2.15 प्रतिशत, बीपीसीएल 1.77 प्रतिशत, टाटा मोटर्स 1.68 प्रतिशत और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 1.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

# कोयला मंत्री रेड्डी ने वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी की शुरुआत की

**हैदराबाद/नई दिल्ली**। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शुक्रवार को हैदराबाद में वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी के 10वें दौर की शुरुआत की। कोयला खदान नीलामी के 10वें दौर में 67 कोयला खानों को शामिल किया गया है। कोयला मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी के 10वें दौर की शुरुआत की है। इस कदम से घरेलू कोयला उत्पादन बढ़ेगा और देश के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित होगी। इस मौके पर उन्होंने प्रेस को संबोधित करते हुए कोयला आयात घटाने के साथ इसके उत्पादन बढ़ाने की वकालत की। उन्होंने कहा कि पिछले नौ दौर की नीलामी में 107 कोयला खदानों की सफलतापूर्वक नीलामी की गई है। इससे पहले रेड्डी ने हैदराबाद के बशीरबाग में एबीवी फाउंडेशन और निजाम कॉलेज द्वारा आयोजित 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भाग लिया।

# स्टेनली लाइफस्टाइल्स का आईपीओ खुला, निवेशक 25 जून तक कर सकेंगे निवेश

**मुंबई/ नई दिल्ली**। लक्जरी फर्नीचर ब्रांड कंपनी स्टेनली लाइफस्टाइल्स लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) शुक्रवार को निवेशकों के लिए खुल गया। खुदरा निवेशक इस आईपीओ के लिए 25 जून तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 28 जून को लिस्ट होंगे। स्टेनली लाइफस्टाइल्स लिमिटेड इस आईपीओ के जरिए कुल 537.02 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। कंपनी ने आईपीओ का मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 351 रुपये से 369 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया है।

इस आईपीओ में कंपनी 200

करोड़ रुपये मूल्य के ताजा शेयर जारी करेगी। इसके अलावा कंपनी ने 337 करोड़ रुपये के 91.33 लाख इक्विटी शेयर ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के लिए रखा है। बेंगलुरु स्थित स्टेनली लाइफस्टाइल्स लिमिटेड एक लक्जरी फर्नीचर ब्रांड है। यह अपने कई ब्रांड के जरिए सुपर-प्रीमियम, लक्जरी और अल्ट्रा-लक्जरी सहित विभिन्न मूल्य श्रेणियों में काम करने वाली कुछ भारतीय कंपनियों में से एक है।

# सर्राफा बाजार में तेजी का रुख, सोना व चांदी की बढ़ी कीमतें

**नई दिल्ली**। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का माहौल बना हुआ है। इस तेजी के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 72,600 रुपये से लेकर 72,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज चेन्नई के अलावा दूसरे सर्राफा बाजारों में 66,560 रुपये से लेकर 66,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चेन्नई में 24 कैरेट सोना 73 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के ऊपर पहुंचा हुआ है। सोने की तरह ही आज चांदी के भाव में भी मजबूती आई है। आज की तेजी के कारण आज दिल्ली सर्राफा

बाजार में चांदी 92,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,560 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 67,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 72,500 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 72,4500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 66,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 72,500 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में आज तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 72,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

## बॉक्स ऑफिस पर फिल्म मुंज्या ने पार किया 60 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा

आदित्य सरपोतदार के निर्देशन में बनी फिल्म मुंज्या पिछले 2 सप्ताह से बॉक्स ऑफिस पर कब्जा किए बैठी है। यह फिल्म इस साल की सुपरहिट फिल्मों की सूची में अपना नाम दर्ज करवा चुकी है।मोना सिंह, अभय सिंह और शरवरी वाघ जैसे सितारों की उम्दा अदाकारी से सजी इस फिल्म की कहानी भी दर्शकों को खूब पसंद आ रही है।अब मुंज्या ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 60 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, मुंज्या ने रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार 3.40 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 62.45 करोड़ रुपये हो गया है।मुंज्या में वरुण धवन ने मेहमान की भूमिका निभाई है।हॉरर के साथ कॉमेडी के तड़के से भरपूर इस फिल्म का निर्माण दिनेश विजान ने किया है। रूही और स्त्री के बाद यह दिनेश की तीसरी हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। 'मुंज्याÓ ने बॉक्स ऑफिस को गुलजार कर दिया है. फिल्म को दर्शकों से इतना अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है कि हर कोई हैरान है. 'मुंज्याÓ की बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट वाकई सरप्राइजिंग है. इस फिल्म ने रिलीज के 12 दिनों में ही 60 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है और अब ये फिल्म 100 करोड़ के कल्ब में शामिल होने की ओर तेजी से बढ़ रही है. 'मुंज्याÓ की कमाई की रफ्तार देखते हुए इसके ये आंकड़ा जल्द पार करने की उम्मीद लग रही है.

# क्रू ने बनाया रिकॉर्ड

## बनी 2024 में नेटफ्लिक्स पर सबसे ज्यादा देखी गई भारतीय फिल्म

इस साल कई फिल्में दर्शकों के बीच आईं, लेकिन क्रू ने बॉक्स ऑफिस पर खूब धमाका किया। न सिर्फ भारत में, बल्कि विदेशों में भी फिल्म ने जमकर कमाई की।उधर करीना कपूर, कृति सैनन और तब्बू की तिकड़ी ने भी दर्शकों का दिल जीत लिया।सिनेमाघरों के बाद फिल्म ने ओटीटी पर भी तहलका मचाया और अब यह नेटफ्लिक्स पर 2024 में सबसे ज्यादा देखी गई फिल्म बनकर उभरी है। क्रू ने नेटफ्लिक्स पर फिल्म लापता लेडीज को भी पीछे छोड़ दिया है।इसे 10 जून से 16 जून तक 12 लाख लोगों ने देखा, जिससे 24 दिनों में इसके कुल व्यूज 1 करोड़ 79 लाख हो गए।उधर लापता लेडीज के नेटफ्लिक्स पर शीर्ष 10 में रहने के दौरान 1 करोड़ 71 लाख व्यूज थे। लिहाजा क्रू साल की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली भारतीय फिल्म बन चुकी है, वहीं लापता लेड़ीज अब दूसरे पायदान पर आ गई है। क्रू ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 150 करोड़ से अधिक की कमाई की थी और 8 हफ्ते सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन पूरा करने के बाद 24 मई को इसका नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर हुआ।अपने प्रीमियर के पहले हफ्ते में फिल्म 54 लाख व्यूज बटोर चुकी थी।कुल मिलाकर क्रू ने न सिर्फ सिनेमाघरों में दर्शकों के बीच अपना जादू चलाया, बल्कि ओटीटी पर भी यह दर्शकों को लुभाने में कामयाब रही। क्रू के निर्देशक राजेश ए कृष्णन हैं। एकता कपूर और रिया कपूर ने मिलकर फिल्म का निर्माण किया है। इसमें कपिल शर्मा और दिलजीत दोसांझ मेहमान भूमिका में हैं। क्रू की कहानी कोहिनूर एयरलाइंस में काम करने वाली 3 एयर होस्टेस गीता सेठी (तब्बू), जैस्मिन राणा (करीना) और दिव्या बाजवा (कृति) के इर्द-गिर्द घूमती है। इन तीनों को अपने जीवन की कठिनाइयों से निपटने के लिए ऐसे काम करने पर मजबूर किया जाता है, जिनसे वे नफरत करती हैं। बात करें लापता लेडीज की तो इसके निर्माता आमिर खान, वहीं निर्देशक किरण राव हैं।इस फिल्म को भले ही समीक्षकों से काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली, लेकिन सिनेमाघरों में यह दर्शकों के लिए तरस गई।उधर ओटीटी पर इसे खूब प्यार मिला और आते ही फिल्म ने रणबीर कपूर की एनिमल को पटखनी दी।इस फिल्म में रवि किशन के अलावा स्पर्श श्रीवास्तव, प्रतिभा रांटा और नितांशी गोयल ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं।

## बॉक्स ऑफिस पर वीकडेज में भी धमाल मचा रही है चंदू चैंपियन

### 5वें दिन भी की शानदार कमाई

एक था टाइगर, बजरंगी भाईजान और 83 जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके निर्देशक कबीर खान इस बार दर्शकों के मनोरंजन के लिए फिल्म चंदू चैंपियन लेकर आए हैं।इसमें कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म देश देश के पहले पैरालिंपिक स्वर्ण जीतने वाले मुरलीकांत पेटकर के जीवन पर आधारित है।फिल्म की कहानी और कार्तिक की अदाकारी लोगों को पसंद आ रही है, लेकिन यह दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने के लिए संघर्ष कर रही है। वीकेंड पर बढ़िया कारोबार करने के बाद कामकाजी दिनों में चंदू चैंपियन की दैनिक कमाई में भारी गिरावट दर्ज की जा रही है।अब फिल्म की कमाई के पांचवें दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, चंदू चैंपियन ने मंगलवार को 3.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 29.75 करोड़ रुपये हो गया है। चंदू चैंपियन ने 4.75 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी।वीकेंड पर इस फिल्म की कमाई में इजाफा हुआ। दूसरे दिन यह फिल्म 7 करोड़ रुपये और तीसरे दिन को 9.75 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। चौथे दिन इस फिल्म ने 5 करोड़ रुपये कमाए थे।चंदू चैंपियन का निर्माण साजिद नाडियाडवाला ने किया है। सत्यप्रेम की कथा के बाद चंदू चैंपियन कार्तिक और साजिद के बीच दूसरा सहयोग है।

## फैशन के साथ चलना थकाऊ हो सकता है : मंजरी मिश्रा

एक्ट्रेस मंजरी मिश्रा ने कहा कि फैशन के रुझान के साथ चलना थका देने वाला हो सकता है। गुजराती फिल्म फुलेकू और बॉलीवुड फिल्म रॉकेट गैंग में अपने काम के लिए मशहूर एक्ट्रेस ने कहा, मेरे लिए फैशन आत्म-अभिव्यक्ति का एक रूप है, जो कपड़ों, एसेसरीज और शैली के माध्यम से व्यक्तित्व और सांस्कृतिक प्रभावों को दिखाने का एक तरीका है। मंजरी ने कहा कि उनके कपड़े बेहद आरामदायक होते हैं, जो उन्हें सहज और आत्मविश्वासी महसूस कराते हैं। उनका मानना है कि फैशन के रुझानों के साथ बने रहना वास्तव में थका देने वाला हो सकता है। एक्ट्रेस ने कहा, कलाकारों को कुछ हद तक वर्तमान से जुड़े रहने के साथ सार्वजनिक कार्यक्रमों और रेड कार्पेट इवेंट के लिए दबाव महसूस हो सकता है। मंजरी का मानना है कि कुछ लोग कभी-कभी ट्रेंड के मामले में हद से आगे निकल जाते हैं। कई लोग आराम से ज्यादा स्टाइल को प्राथमिकता देते हैं। क्या पहनना है, इसके लिए अवसर, व्यक्तिगत आराम और व्यक्तिगत स्टाइल पर ध्यान देना जरूरी है। इसके अलावा इसमें सांस्कृतिक और सामाजिक मानदंडों का भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि किसी किरदार को अलग फैशन सेंस के साथ दिखाते समय कलाकार को अपनी भूमिका की प्रामाणिकता बनाए रखने और प्रशंसकों के बीच भ्रम से बचने के लिए सार्वजनिक रूप से किरदार के अनुरूप कपड़ों का चुनाव करना चाहिए।

## भोजपुरी अदाकारा नेहा मलिक ने ब्लू बिकनी में गिराई बिजली

### एक्ट्रेस की हॉटनेस ने बढ़ाया तापमान

एक्ट्रेस नेहा मलिक हमेशा अपने बोल्ड लुक्स और कातिलाना अदाओं से अक्सर फैंस के बीच छाई हुई रहती हैं। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर अदाकारा नेहा मलिक ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ हॉट तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्होंने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है. इन तस्वीरों में नेहा मलिक ने ब्लू बिकनी पहनी हुई है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत और ग्लैमरस नजर आ रही हैं. नेहा ने इन तस्वीरों में हल्का मेकअप और खुले बालों के साथ बीच पर पोज देते हुए नजर आईं. उनकी हॉटनेस और स्टाइलिश अवतार ने उनके फैंस का दिल जीत लिया है. नेहा मलिक की ये तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं और उनके फैंस उन्हें खूब पसंद कर रहे हैं. भोजपुरी इंडस्ट्री की हॉट क्वीन नेहा मलिक हमेशा अपने बोल्ड लुक्स से इंटरनेट का पारा हाई करती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। एक्ट्रेस नेहा मलिक अपनी एल्बम सॉन्ग्स से ज्यादा बोल्ड लुक्स को लेकर लाइमलाइट बटौरती हैं। उनका बोल्ड अंदाज सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।

## प्राइम वीडियो ने ताहिरा कश्यप की फिल्म शर्माजी की बेटी का पोस्टर किया जारी

### प्रीमियर का भी किया ऐलान

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना की मल्टी टैलेंटेड पत्नी ताहिरा कश्यप इन दिनों अपनी अपकमिंग कॉमेडी फिल्म शर्माजी की बेटी को लेकर काफी चर्चा में हैं। इस फिल्म के जरिए वह पहली बार निर्देशन की दुनिया में कदम रख रही हैं। फिल्म के प्रीमियर को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। शर्माजी की बेटी का प्रीमियर 28 जून, 2024 से अमेजन प्राइम वीडियो पर होने जा रहा है। इस फिल्म में साक्षी तंवर, दिव्या दत्ता और सैयामी खेर लीड रोल में हैं, साथ ही वंशिका तपारिया, अरिस्ता मेहता, शारिब हाशमी और परवीन भी अहम किरदार निभाती नजर आएंगी। फिल्म शर्माजी की बेटी महिला सशक्तिकरण और उनके सामने आने वाली चुनौतियों पर आधारित कहानी है। हल्की-फुल्की और सादगी से भरपूर ये कहानी आपके दिलों को छू जाएगी। फिल्म पांच महिलाओं के जीवन पर आधारित है, जिनमें 3 मध्यवर्गीय महिलाएं और दो छोटी लड़कियां शामिल हैं। इन सबका एक ही सरनेम शर्मा है। उनके जेनरेशन गैप को दिखाते हुए फिल्म उनके यूनिक एक्सपीरियंस और संघर्षों को सामने लाती है। सोशल मीडिया

पर रिलीज की घोषणा करते हुए निर्माताओं ने लिखा, साहसी दिल और बड़े सपने! क्या आप इन सुपरवुमेन से मिलने के लिए तैयार हैं प्राइम वीडियो इंडिया में कंटेंट लाइसेंसिंग के डायरेक्टर मनीष मेघानी ने कहा, यह फिल्म तीन एडल्ट महिलाओं के आपस में जुड़े सफर को दिखाती है, जिन्हें साक्षी, दिव्या और सैयामी ने शानदार ढंग से निभाया है। यह उनके संघर्षों, आकांक्षाओं और जीत को खूबसूरती से दर्शाती है। इसमें वंशिका और अरिस्ता की भी कहानी है, उनके टीनएज गर्ल्स से एडल्ट होने के एक्सपीरियंस को भी दिखाया गया है। अप्लॉज एंटरटेनमेंट के मैनेजिंग डायरेक्टर समीर नायर ने कहा, ताहिरा के निर्देशन में बनी यह फिल्म कॉमेडी या ड्रामा से काफी आगे है। यह मध्यम वर्ग की महिलाओं और शहर की जिंदगी के अनुभवों का आईना है, जो महिलाओं की भावनात्मक गहराई और सहनशक्ति को खूबसूरती से दिखाती है। एलिप्सिस एंटरटेनमेंट के पार्टनर तनुज गर्ग और अतुल कस्बेकर ने कहा, यह फिल्म दर्शकों को तीन महिलाओं के जीवन के उतार-चढ़ाव भरे सफर पर ले जाती है, जो अपने-अपने अनूठे तरीकों से चुनौतियों का सामना करती हैं। मासूम व सरल तरीके से कही गई कहानी दर्शकों के दिलों को छू जाएगी। शर्माजी की बेटी एप्लॉज एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत और एलिप्सिस एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है। ताहिरा कश्यप खुराना द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म शर्माजी की बेटी 28 जून को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

## आगामी फिल्म सूबेदार की तैयारी में जुटे अनिल कपूर, जबरदस्त एक्शन करते आएंगे नजर

बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर ने घोषणा की है कि उन्होंने अपनी अगली फिल्म पर काम शुरू कर दिया है। अभिनेता सुबेदार पर काम कर रहे हैं। उन्होंने इस फिल्म पर काम रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 के प्रीमियर से कुछ दिन पहले शुरू किया है। बिग बॉस ओटीटी 3 से अनिल बतौर होस्ट डेब्यू कर रहे हैं। अब अगले कुछ महीनों तक अनिल अपने दोनों परियोजनाओं पर काम करते रहेंगे। अनिल कपूर ने सुबेदार की तैयारी करते हुए इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर साझा की और इसकी इसकी घोषणा की। अभिनेता आत्मरक्षा का प्रशिक्षण लेते हुए नजर आ रहे हैं। तस्वीर में वे अपने ट्रेनर की गर्दन पकड़े हुए इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। तस्वीर के साथ अभिनेता ने लिखा, अभी तो हाथ उठा ही कहां है, यह तो बस तैयारी है। उन्होंने यह भी बताया कि यह उनकी आगामी फिल्म सूबेदार की तैयारी के लिए है। वहीं फिल्म की कहानी के बारे में बात करें तो सुरेश त्रिवेणी द्वारा निर्देशित सूबेदार एक ऐसे व्यक्ति के बारे में है, जो कभी देश के लिए लड़ा था। अब उसका सामना दुश्मनों से है, जो उसके घर और परिवार को नष्ट करना चाहते हैं। अभी तक फिल्म के लिए अनिल कपूर के अलावा किसी अन्य अभिनेता की पुष्टि नहीं हुई है। यह फिल्म अबुंदतिया एंटरटेनमेंट, ओपनिंग इमेज और अनिल कपूर फिल्म एंड कम्युनिकेशन नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित है। सूबेदार के निर्माता विक्रम मल्होत्रा, सुरेश त्रिवेणी और अनिल कपूर हैं। वहीं त्रिवेणी ने निर्देशक के रूप में कमान संभाली है। पटकथा त्रिवेणी और प्रज्वल चन्द्रशेखर ने मिलकर लिखी है। फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा होनी अभी बाकी है। वहीं बात करें बिग बॉस ओटीटी 3 के तो अनिल इसके जरिए होस्ट के तौर पर काम करने के लिए उत्साहित हैं। बिग बॉस ओटीटी 3 शो 21 जून से जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होगा। यह शो हर रोज रात 9 बजे सिर्फ प्रीमियम यूजर्स के लिए उपलब्ध होगा। हालांकि प्रतियोगियों की पूरी सूची अभी तक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन ऐसा लग रहा है कि अंजलि अरोड़ा, शहजादा धामी, शोएब इब्राहिम, अंजुम फकीह, जेसन शाह, साई केतन राव, सना मकबूल, यूट्यूबर अरमान मलिक और सोनम खान इस सीजन में शो में भाग लेंगे। निर्माताओं ने अभी तक प्रतिभागियों की पुष्टि करने वाली आधिकारिक सूची जारी नहीं की है। 21 जून को शो के प्रीमियर से पहले इस सप्ताह के दौरान यह सूची जारी की जाएगी।

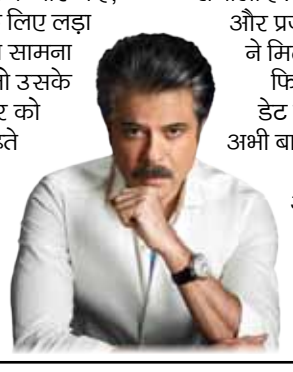

## सलमान खान ने सिकंदर की शूटिंग की शुरू, शेयर की बीटीएस तस्वीर, एक्टर के लुक पर फिदा हुए फैंस

बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान खान की फिल्मों का फैंस को बेसब्री से इंतजार रहता है. वहीं एक्टर ने हाल ही में अपनी फिल्म 'सिकंदरÓ की अनाउंसमेंट की थी जिसके बाद फैंस इस फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं. वहीं सलमान खान ने अपनी इस मोस्ट अवेटेड फिल्म 'सिकंदरÓ की शूटिंग भी शुरू कर दी है. फिल्म के सेट से सलमान खान के लुक की तस्वीर भी सामने आ गई है. 'सिकंदरÓ साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित और एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित फिल्म है. इस फिल्म की शूटिंग मंगलवार को मुंबई में शुरू हुई. जहां टीम सलमान खान के साथ एक रोमांचक मिड एयर एक्शन सीक्वेंस शूट करेगी. वहीं

सलमान और नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म के सेट से एक बीटीएस तस्वीर शेयर कर नई जर्नी की शुरुआत की अनाउंसमेंट की है. बीटीएस तस्वीर में सलमान, साजिद और मुरुगादॉस सेट पर हंसी-मजाक करते नजर आ रहे हैं. इस तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा गया, सिकंदर तिकड़ी! सीधे फिल्म के सेट से! बीटीएस फोटो ने फैंस को काफी एक्साइटेड कर दिया है. फैंस अब पोस्ट के कमेंट सेक्शन में अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं. एक फैन ने लिखा, अब आएगा ना मजा.. एक्साइटेड, जबकि एक अन्य ने लिखा, सांस रोककर अगले अपडेट का इंतजार कर रहे हैं. एक और ने कमेंट सेक्शन में लिखा, एक एक्शन प्रोमो से अनाउंस भी कर दीजिए, प्लीज आप लोग. टीम ने ये भी कंफर्म किया है कि ये एक्शन से भरपूर एंटरटेनर फिल्म ईद 2025 में रिलीज होने वाली हैय बता दें कि मार्च में, साजिद ने सलमान के साथ सिकंदर की अनाउंसमेंट की थी. फिल्म में सलमान खान के साथ रश्मिका मंदाना नजर आएंगीं. सलमान ने भी ट्वीट किया था, एक बहुत ही रोमांचक फिल्म के लिए बेहद टैलेंटेड एआर मुरुगुदार और मेरे दोस्त, साजिद नाडियाडवाला के साथ जुड़कर खुशी हुई !! ये कोलैबोरेशन खास है, और मैं आपके प्यार और आशीर्वाद से इस जर्नी का इंतजार कर रहा हूं. ईद 2025 पर रिलीज होगी. फिलहाल फैंस इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.